वर्ष : 17 ❖ अंक : 208 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
रविवार, 05 मार्च 2023

तब तक नीतीश रहेंगे सीएम, बिहार के लोग मारे जाते रहेंगे : चिराग 3

अदालत ने सिसोदिया की सीबीआई हिरासत दो दिन के लिए बढ़ाई 8

एसडीएफ ने शोक दिवस के रूप में मनाया अपना स्थापना दिवस

अदालत के फैसले से सिक्किम की पहचान हुई है धूमिल : शिव कुमार शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च । सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) पार्टी ने अपना 31वां स्थापना दिवस अलग तरीके से मनाया। सिक्किम की पहचान के साथ कथित समझौता करने का आरोप लगाते हुए पार्टी ने अपने स्थापना दिवस को 'विजय दिवस' के बजाय 'शोक दिवस' के रूप में मनाया।

एसडीएफ पार्टी के प्रवक्ता शिव कुमार शर्मा ने कहा कि पार्टी सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का विरोध कर रही है जो अनुच्छेद 371 एफ को कमजोर करता है और सिक्किमी की पहचान पर सवाल उठाता है। एसोसिएशन ऑफ ओल्ड सेटलर्स द्वारा 2013 में दायर मामले में 13 जनवरी, 2023 को अदालत ने फैसला सुनाया था।

शर्मा ने कहा कि सिक्किम सरकार ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे के प्रति एक उदासीन रवैया दिखाया है और फैसले ने अनुच्छेद 371 एफ में दी गई सिक्किमी की पहचान को उलट दिया है। निर्णय ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 पर पूरी तरह भरोसा किया है, जिससे सिक्किम की अलग पहचान समाप्त हो गई है। शर्मा का मानना है कि फैसले के चरम निहितार्थ अभी सिक्किम के लोगों को समझाए जाने बाकी हैं, यही वजह है कि एसडीएफ पार्टी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) द्वारा आयोजित 'विजय दिवस' के सीधे विरोध में 'शोक दिवस' के साथ विरोध कर रही है।

एसडीएफ पार्टी का विचार है कि जिस तरह से राज्य सरकार ने मामले की पूरी प्रक्रिया की अनदेखी की और पिछली सरकारों द्वारा दायर हलफनामों का तर्कों में उल्लेख नहीं किया गया, वह एक अपवित्र मिलीभगत को दर्शाता है। वास्तव में, अनुच्छेद 371 एफ की शर्तों को कभी स्पष्ट नहीं किया गया था, जिसका उल्लेख विद्वान न्यायाधीशों ने संशोधित याचिकाओं पर दिए गए आदेशों में किया है।

ज्ञात हो कि पार्टी का गठन 4 मार्च, 1992 को पवन चामलिंग द्वारा किया गया था, जिन्होंने 1994 से 2019 तक लगातार पांच बार सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। पार्टी सिक्किम की पहचान और संस्कृति के संरक्षण की वकालत करती रही है, और हाल ही में सर्वोच्च अदालत के फैसले ने पार्टी और उसके समर्थकों को चिंतित कर दिया है।

एसडीएफ पार्टी ने राज्य सरकार पर सिक्किम के लोगों के हितों की रक्षा करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया है और मांग की है कि सरकार अनुच्छेद 371 एफ की पवित्रता को बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। एसडीएफ पार्टी द्वारा आयोजित 'शोक दिवस' के दौरान पार्टी के सदस्यों और समर्थकों ने सिक्किम की पहचान की याद में काली पट्टी बांधी और मोमबत्तियां जलाईं। एसडीएफ पार्टी को उम्मीद है कि उनका विरोध इस मुद्दे को सामने लाएगा और सिक्किम और इसके लोगों की विशिष्ट पहचान की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शोक दिवस मनाना एसडीएफ की मजबूरी : सीपी शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

नामची, 04 मार्च । राज्य में सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी ने आरोप लगाया है कि एसडीएफ पार्टी की स्थिति इतनी कमजोर हो गई है वह अपना स्थापना दिवस समारोह भी नहीं मना पा रही है। इसलिए इसने मजबूरी में अपने स्थापना दिवस को शोक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। यहां बात एसकेएम के प्रवक्ता सीपी शर्मा ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कही।

श्री शर्मा ने कहा कि शोक दिवस मनाना एसडीएफ पार्टी की लाचारी बन गई है। 25 साल तक राज्य की सत्ता में रहने वाली इस पार्टी ने सिक्किम के लोगों को गरीबी में धकेल दिया और उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया। अब स्थिति यह हो गई है कि सत्ता से हटने के बाद करीब चार साल में ही पार्टी अपना स्थापना दिवस समारोह भी नहीं मना पा रही है।

श्री शर्मा ने कहा कि अपनी पार्टी को मृत्यु शैय्या पर देखते हुए एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग की ऐसी मजबूरी है कि वे किसी समारोह का आयोजन नहीं कर सके। वे अपने घमंड की आग में खुद ही जल गए हैं। उन्होंने कहा कि अहंगार के बीच से उगा पेड़ विनम्रता का फल नहीं दे सकता है। पवन चामलिंग को यह बात समझ नहीं आई इसलिए आज पार्टी की स्थिति इतनी खराब हो गई है।

श्री शर्मा ने आगे कहा कि अहंकार के ही कारण रावण अपने देश में ही सुरक्षित नहीं रह सका। उसका भाई भी उसके विरुद्ध हो गया। अहंकार के ही कारण विद्वान रावण का नाश हुआ। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जब अहंकारी का नाश हुआ है। जिन लोगों ने अहंकार का त्याग किया वे अमर हो गए। श्री चामलिंग ने राज्य में 25 वर्षों तक अहंकार में रहकर शासन किया। वहीं, दूसरी ओर बड़ी संख्या में लोग एसडीएफ छोड़कर वर्तमान मुख्यमंत्री पीएस गोले की शालीनता से प्रभावित होकर इसमें शामिल हो रहे हैं।

राज्य की महिलाओं को धोखा दे रही है सरकार : अधिकारी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च । सिक्किम की एसकेएम सरकार द्वारा शुक्रवार को रंगपो में एक भव्य कार्यक्रम के बीच अपनी अम्मा सशक्तिकरण योजना के तहत जरूरतमंद महिलाओं को वार्षिक आर्थिक सहायता प्रदान करने और एसडीएफ के कई पूर्व नेताओं को पार्टी में शामिल करने पर सिटीजन एक्शन पार्टी-सिक्किम ने सवाल उठाये हैं।

सीएपीएस का कहना है कि सरकार बनाने से पहले महिलाओं को प्रति वर्ष डेढ़ लाख रुपए देने का वादा करने वाली एसकेएम सरकार ने सत्ता में आने के चार वर्ष बाद अब केवल 14 हजार महिलाओं को ही वार्षिक बीस हजार रुपए देने की शुरुआत की है। यह राज्य की महिलाओं के प्रति एक धोखा है। वहीं कभी एसकेएम को डाकुओं को पनाह देने वाली पार्टी कह कर गाली देने वाले एसडीएफ नेताओं को पार्टी में शामिल करना भी संघर्ष के दिनों में इसकी नि:स्वार्थ सेवा करने वाले पार्टी नेताओं को भी धोखा देना है। सीएपीसी के अनुसार, आगामी विधानसभा चुनाव में एसकेएम सरकार को इसका नतीजा भुगतना पड़ेगा।

सिटीजन एक्शन पार्टी-सिक्किम के प्रवक्ता हेमराज अधिकारी ने आज यहां एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि महिलाओं के लिए शुरू की गई योजना का हम सम्मान करते हैं, लेकिन इसके लिए जिस प्रकार छात्र-छात्राओं, मरीजों एवं अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा, वह निंदनीय है। साथ ही उन्होंने कहा कि अम्मा सशक्तिकरण योजना में विपक्षी पार्टियों की महिलाओं को वंचित किया गया है। उन्होंने कहा, कामकाजी दिन में सरकार के इस कार्यक्रम से छात्र-छात्राएं समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाए और एम्बुलेंस व अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी चार-पांच घंटे हाईवे पर इंतजार करना पड़ा। वहीं छात्रों के चलने के लिए जगह न देते हुए बाइक रैली निकाली गई, सड़क बंद रहने के कारण मरीजों को समय पर खाना भी नहीं पहुंचाया जा सका। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण मामला है।

सीएपीएस के अनुसार, सिक्किम में सत्ताधारी पार्टी द्वारा अपनी शक्तियों के दुरूपयोग को एसकेएम ने भी जारी रखा है। चामलिंग के तथाकथित तानाशाही शासन में सत्ता के व्यापक दुरूपयोग के कारण लोगों ने उन्हें हटाकर इन्हें सरकार में लाया था। लेकिन इन्होंने भी हद ही कर दी है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट के मामले में विजय दिवस मनाने को लेकर रम्फू से रानीपुल और नामची से सिंगताम, डिक्चू मंगन तक हाईवे जाम कर दिया गया। हम इसकी आलोचना करते हैं और सरकार से नेपाली समुदाय पर विदेशी होने के दाग को दूर किये जाने के मामले में एक श्वेत पत्र जारी करने की मांग करते हैं।

वहीं सरकारी कर्मचारियों का पार्टी के कार्यक्रमों में उपयोग करने को लेकर सीएपीएस प्रवक्ता ने कहा कि अगर एसकेएम सरकार और पार्टी सरकारी कर्मचारियों को पार्टी के मंच से जोडने के बजाय उन्हें महंगाई भत्ता (डीए) देती तो उनके लिए बेहतर होता। वहीं उन्होंने पंचायतों में भत्ता नहीं दिये जाने को लेकर भी कहा। उन्होंने कहा, एसकेएम सरकार ने पिछले चार वर्षों में केवल ज्वाइनिंग प्रोग्राम ही किये हैं और इसमें करोड़ों का सरकारी पैसा खर्च किया है। एसकेएम का वह दावा कि सरकार बनने के बाद 10 दिनों में, एक महीने में या तीन महीनों में हम ऐसा कर देंगे, आज महज हवाई जुमला साबित हुआ है।

सिटीजन एक्शन पार्टी-सिक्किम ने कहा कि राज्य सरकार को चाहिए कि भीड़-भाड़ के चक्कर में अपने आम नागरिकों, छात्रों, मजदूरों और कर्मचारियों के जीवन को खराब न करें।

करोड़ों रुपये खर्च कर पार्टी समारोह आयोजित करने के बजाय उन्हें मानवीय मूल्यों और मान्यता की ओर ध्यान देने के साथ ही शिक्षित बेरोजगार युवाओं और किसानों की आजीविका के साधनों पर भी ध्यान देना चाहिए। साथ ही पार्टी राज्य सरकार को प्रदेश के विकास के लिए अरबों रुपये कर्ज लेने के प्रति भी आगाह किया है।

ग्राम पंचायत विकास योजना पर बैठक आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 04 मार्च । जिले के दोदक ग्राम प्रशासनिक केंद्र में आज पंचायत सभापति हर्ष कुमार छेत्री की अध्यक्षता में वित्त वर्ष 2023-24 के ग्राम पंचायत विकास योजना पर बैठक आयोजित की गई। पंचायत सभापति छेत्री के साथ ही इस बैठक में जिला पंचायत सदस्य अंजू गुरुंग, पंचायत उपाध्यक्ष रेणुका गुरुंग और पंचायत सदस्यगण सुजाता गुरुंग, कृष्ण कुमारी छेत्री एवं अरुण सुब्बा के अलावा बीडीओ वांग्दी शेरपा, विभिन्न विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं आमलोग मौजूद थे।

उक्त बैठक में प्रखंड के सभी पांच वार्डों की सम्बंधित पंचायतों ने वार्ड सभा द्वारा पारित अपने-अपने वार्डों की विभिन्न मांगों एवं प्रस्तावों को प्रस्तुत किया, जिन्हें बाद में ग्राम सभा ने ध्वनिमत से पारित कर दिया।

वहीं इस बैठक में प्रखंड से सभी सबलेट लाइसेंस बंद करने तथा राज्य के सभी बाहरी मजदूरों के लिए अपना व्यक्तिगत डाटा ग्राम पंचायत को जमा करने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं, इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया मामले में राज्य के नेपाली समुदाय पर लगे विदेशी होने के दाग को राज्य सरकार की तत्परता से कोर्ट द्वारा मिटा दिये जाने और इनर लाइन परमिट (आईएलपी) के मुद्दे का अध्ययन करने हेतु एक शीर्ष समिति बनाने के लिए धन्यवाद प्रस्ताव भी पेश किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज ग्राम सभा में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि दोदक प्रखंड में यदि कोई लाइसेंस सबलेट कराकर दुकान चला रहा है या ट्रेड लाइसेंस रहते हुए सरकारी नौकरी मिलने के बाद भी उसे सरेंडर नहीं किया है तो उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जायेगा। वहीं प्रखंड में राज्य के बाहर से आने वाले मजदूरों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इन्हें किराये पर रखने वाले मकान मालिकों के लिए अनिर्वाय रूप से उनकी जानकारी जमा करने का प्रस्ताव पारित किया गया है। इसी तरह, बैठक (शेष पृष्ठ ०३ पर)

जी-20 बैठकों के लिए सिक्किम ने कसी कमर

प्रचार सामग्री निर्माण के लिए की प्रतियोगिता की घोषणा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च । भारत में जी-20 की बैठकों की अध्यक्षता के तहत सिक्किम को भी दो बैठकों की मेजबानी के लिए चुना गया है। राज्य में आगामी 16 मार्च को जी-20 समावेशी व्यवसाय श्रृंखला बिजनेस (बी20) और 18-19 मार्च को स्टार्ट-अप 20 के रूप में ये बैठकें होनी हैं। ऐसे में इसे लेकर जागरुकता पैदा करने के लिए राज्य सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग ने सूचना के प्रसार हेतु बेहतरीन रिपोर्टिंग एवं प्रसारण सुनिश्चित करने के लिए प्रचार सामग्री बनाने के लिए एक प्रतियोगिता का आयोजन किया है।

राज्य सूचना व जनसम्पर्क विभाग की ओर से इसकी जानकारी देते हुए बताया गया है कि प्रतियोगिता राज्य में पूरे मीडिया बिरादरी के लिए खुली है जो राज्य में आयोजित होने वाले जी20 बैठकों के बारे में अपने अभिनव विचारों को प्रस्तुत करने के साथ इसमें भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में डिजिटल और प्रिंट मीडिया दोनों के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं।

विभाग के अनुसार, प्रतियोगिता में दी जाने वाली प्रविष्टियों के चयन हेतु कई मानदंड शामिल हैं। इनमें ऑडियो-विजुअल विज्ञापन की अवधि 3 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए और उन्हें केवल सिक्किम में होने वाली जी20 बैठकों से सम्बंधित मुद्दों पर ही केंद्रित होना चाहिए। वहीं प्रिंट मीडिया के लिए प्रविष्टियों में छवि और लेख शामिल होने चाहिए, जो अधिकतम 600 शब्दों के होने चाहिए। इसके अलावा प्रतियोगिता के लिए दी गई सामग्री में कोई नकारात्मक अर्थ या आपत्तिजनक तथ्य व सूचनाएं शामिल नहीं करना होगा। दाखिल प्रविष्टियों की आईपीआर विभाग द्वारा गठित एक समिति द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

बताया गया है कि प्रिंट और डिजिटल माध्यम की चयनित प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया जायेगा। प्रथम पुरस्कार के तौर पर 50 हजार रुपए, दूसरे पुरस्कार के तौर पर 30 हजार रुपए और तीसरे पुरस्कार के तौर पर 20 हजार रुपऐ दिये जाएंगे। प्रविष्टियों को 9 मार्च तक सॉफ्ट और हार्ड कॉपी में आईपीआर विभाग के सचिव के कार्यालय को भेजी जानी हैं। इसका परिणाम 13 मार्च को घोषित किया जाएगा।

स्वास्थ्य पर खर्च कर रहे 7.4 फीसदी बजट, केंद्र सरकार बनाए सामाजिक : सीएम गहलोत

जयपुर, 04 मार्च (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार आमजन को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। राजस्थान में 22 हजार करोड़ रुपये स्वास्थ्य के क्षेत्र में खर्च किए जा रहे हैं जो बजट का 7.4 फीसदी है, जबकि अन्य राज्यों में औसतन 6 प्रतिशत बजट स्वास्थ्य पर खर्च किया जा रहा है। यह राज्य सरकार की मंशा को दर्शाता है।

सीएम गहलोत ने कहा कि सरकार हर जिले में मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज बनाने का काम कर रही है। हाल ही में राजसमंद, प्रतापगढ़ और जालौर में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए 1000 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

सीएम अशोक गहलोत शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय के प्लेटिनम जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नए उप स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के खुलने से राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतरीन नेटवर्क तैयार हुआ है। इससे अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 1947 में शुरू हुआ सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज 75 वर्ष में चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित संस्थान बनकर उभरा है। राज्य सरकार एसएमएस मेडिकल कॉलेज में नए विभाग खोलने तथा आवश्यक उपकरण एवं संसाधन उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। प्लेटिनम जयंती के उपलक्ष्य में कॉलेज के शुरूआती बैच के एलूमिनाइ भी उपस्थित हैं और कॉलेज के 75 साल की शानदार उपलब्धियों पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यह उनके कॉलेज से जुड़ाव को दर्शाता है।

गहलोत ने कहा, सरकार की योजनाओं से स्वास्थ्य के क्षेत्र में राजस्थान मॉडल स्टेट बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत बीमा राशि बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। अंग प्रत्यारोपण जैसे महंगें इलाज प्रदेश में नि:शुल्क कर दिए गए हैं। सरकार द्वारा सभी तरह की जांच और दवाइयां नि:शुल्क कर दी गई हैं। सरकारी अस्पतालों में आईपीडी और ओपीडी सेवाएं नि:शुल्क हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान राज्य में शानदार प्रबंधन हुआ। यहां के भीलवाड़ा मॉडल की विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सराहना की। सभी वर्गों के उपचार के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। उन्होंने कहा कि एसएमएस चिकित्सालय की कोरोना महामारी के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। यहां के चिकित्सकों सहित सभी कार्मिकों ने उत्कृष्ट कार्य किया।

सरकार ने कोरोना महामारी में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले सभी मेडिकल और नॉन मेडिकल कार्मिकों के लिए 50 लाख रुपये की सहायता दी है। गहलोत ने कहा कि सरकार जल्द राइट टू हेल्थ बिल लेकर आ रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवसाय न होकर जनसेवा के कार्य हैं, इस बिल का विरोध नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के अनुसार समाज के सभी कमजोर वर्गों की सहायता करना सरकार का कर्तव्य है। सरकार द्वारा प्रदेश में एक करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। जिस प्रकार पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा शिक्षा, भोजन और सूचना के अधिकार कानून बनाकर दिए गए, इसी प्रकार केंद्र सरकार को कानून बनाकर आमजन को सामाजिक सुरक्षा का अधिकार देना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले एसएमएस मेडिकल कॉलेज के एलूमिनाइ को सम्मानित किया। इस दौरान 'एसएमएस शिक्षा की सतत धारा' लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। गहलोत ने एसएमएस ऐन्थम, प्लेटिनम जयंती स्मारिका एवं भारतीय डाक विभाग द्वारा एसएमएस कॉलेज की प्लेटिनम जयंती पर जारी स्पेशल टिकट व कवर का लोकार्पण भी किया।

एनटीपीसी विंध्याचल में 52वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस धूमधाम से मनाया गया

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली, 04 मार्च । एनटीपीसी विंध्याचल में 52 वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया। जिसमें कार्यक्रम का लक्ष्य शून्य नुकसान था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।

जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज दीक्षित (सहायक श्रम आयुक्त), मुख्य अतिथि सुवास चंद्र नायक (ईडी विंध्याचाल), ई सत्य फनी कुमार(सी.जी.एम.ओ एंड एम), पंकज बलियान (कमांडेंट सी.आई.एस.एफ), प्रबीर कुमार विश्वास (एच.ओ.एच.आर) तथा समस्त जी एम एवं एच ओ डी उपस्थित रहें।

प्लांट के ईडी (वी) व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस सी नायक ने प्लांट से जुड़ी गतिविधियों से अवगत करवाते हुए सुरक्षा विभाग की प्राप्त उपलब्धियों की प्रशंसा की और आगे भी वर्तमान की तरह ख़लांट परिसर को दुर्घटना मुक्त बनाने की अपेक्षा की। श्री नायक का कहना है कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अपने मन को स्थिर रखते हुए स्वविवेक से उसमें सुधार करें और हमारे लक्ष्य शून्य दुर्घटना को सतत सफल बनाए रहें।

सी.जी.एम. (ओ एंड एम) ई सत्य फनी कुमार ने पूरे विंध्याचल टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि विंध्याचल पावर प्लांट बड़े तो है साथ ही कार्यक्षेत्र में भी सर्वश्रेष्ठ हैं।

विशिष्ट अतिथि सहायक श्रम आयुक्त मनोज दीक्षित ने प्लांट परिसर के विगत वर्षों में दुर्घटना विहीन होने की प्रशंसा करते हुए आगे के लिए भी अपेक्षा जताई साथ ही उन्होंने श्रमिकों को ई श्रम कार्ड में रजिस्टर करने का सुझाव दिया जिसमें लगभग 40 करोड़ श्रमिक अब तक जुड़ चुके हैं। कार्यक्रम में आगे की कड़ी में विगत वर्ष की वार्षिक सुरक्षा रिपोर्ट प्रदर्शित की गई तथा अलग अलग सेफ्टी जोन, सेफ्टी स्लोगन प्रतियोगिता, सेफ्टी क्विज़, सर्वाधिक रिपोर्टिंग व सुरक्षा के प्रति सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वालों विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया और आगे भी इसी तरह सुरक्षा के प्रति कार्य करने की अपेक्षा की।

कार्यक्रम में मुकेश कश्यप द्वारा गाये गए सुरक्षा गीत की भी काफ़ी प्रशंसा हुई। तत्पश्चात कार्यक्रम के समापन में सुरक्षा विभाग के एच.ओ.डी. आशीष अग्रवाल ने सभी अतिथिगणों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

'लोगों में धैर्य और सहनशीलता की कमी हो रही है...' : सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर बोले सीजेआई

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेन्सी)। देश के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एक प्रोग्राम ने कहा कि भारत का संविधान ग्लोबल और लोकल का अद्भुद तालमेल है। हमारे संविधान और उसकी मुलभावनाओं को कई देशों ने अपने संविधान का आधार बनाया है। संविधान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब इसका मसौदा तैयार किया गया था तो संविधान निर्माताओं को यह पता नहीं था कि हम किस दिशा में विकसित होंगे। उस समय कोई निजता, इंटरनेट, एल्गोरिदम और सोशल मीडिया नहीं था। सीजेआई ने कहा कि वैश्वीकरण ने अपने स्वयं के असंतोष को जन्म दिया है। दुनियाभर में मंदा का अनुभव होने के कई कारण हैं। वैश्वीकरण विरोधी भावना में उछाल आया है, जिसकी उत्पत्ति उदाहरण के लिए 2001 के आतंकी हमलों में निहित हैं। 2001 के हमलों ने दुनिया को ऐसे हलों की कड़वी सच्चाई के सामने ला दिया, जिसे भारत देखता आ रहा था।

जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज कोई अभिजात्य धारणा नहीं है और तटीय राज्यों के देशों के लिए एक कठोर वास्तविकता है। सीजेआई ने सोशल मीडिया पर कहा कि झूठी खबरों के दौर में सच ही शिकार हो गया है। आप जो कुछ भी करते हैं उसके लिए आपको किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा ट्रोल किए जाने का खतरा होता है जो आपसे सहमत नहीं है। लोगों में धैर्य और सहनशीलता की कमी हो रही है।

कोविड महामारी को जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'कोविड ने देशों को अपनी सीमा बंद करने पर मजबूर होना पड़ा। आबादी में निचले स्तर पर रहने वाली आधी दुनिया को ग्लोबलाइजेशन का ज्यादा फायदा नहीं मिला। उनके लिए लोकलाइजेशन से उम्मीद बढ़ी लेकिन ग्लोबलाइजेशन से उनको काफी फायदा मिलेगा। अंधेरे के उस पार की चीजें भी दिखने लगेंगी और मिलेंगी। कोविड ने डिजिटल मार्केट ख़लेस और नए आइडियाज दिए, सस्टेनेबल डिवेलपमेंट के एजेंडा दिए। नए फ्रेम वर्क और टास्क दिए।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि कोविड ने एक डिजिटल मार्केट ख़लेस तैयार किया है जिसने भीतर काम करने का महत्व दिखाया है। कोविड ने हमें सिखाया कि हम एक-दूसरे से अलग-थलग रह सकते हैं लेकिन क्या यह एक स्थायी मॉडल है? सीजेआई ने कहा कि अमेरिका के हवाई और भारत के बीच विधि और न्याय के क्षेत्र मे नए पुल बनाना चाहते हैं। हमारा संविधान ग्लोबलाइजेशन से पहले ही ग्लोब्लाइजेशन (वैश्वीकरण) का आदर्श रहा है। उन्होंने कहा कि सात दशकों में बदलाव ये आया है कि खुलापन बढ़ा है सीमाएं खुली है। खुलेपन की हवा चली तो डेटा प्रोटेक्शन, कारोबारी मध्यस्थता, दिवालिया नियमों कानूनों को लेकर साझा कानूनों की जरूरत पड़ी। ये ग्लोबल करंसी ऑफ ट्रस्ट की तरह है। ये पूरी दुनिया के साझा इस्तेमाल की जरूरत है।

सीजेआई ने सोशल मीडिया पर कहा कि झूठी खबरों के दौर में सच ही शिकार हो गया है। आप जो कुछ भी करते हैं उसके लिए आपको किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा ट्रोल किए जाने का खतरा होता है जो आपसे सहमत नहीं है। लोगों में धैर्य और सहनशीलता की कमी हो रही है। हम अलग-अलग दृष्टिकोणों को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। सोशल मीडिया के प्रसार के साथ जो कहा गया है वो ऐसा बन जाता है जिसे वैज्ञानिक जांच से रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि न्याय देने का तरीका बदल रहा है। अब का दौर आइडियाज के वैश्वीकरण का है। तकनीक हमारा जीवन बदल रही है। हम जजों का जीवन भी बदला है। कोविड के लॉक डाउन के शुरुआत में तब के चीफ जस्टिस ने हमसे पूछा था कि क्या हमें अपने दरवाजे भी बंद कर देने चाहिए। फिर हमने बात कर हर कोर्टरूम में डेस्कटॉप, लैपटॉप, इंटरनेट का इंतजाम कराकर जनता के लिए न्याय और उनकी आजादी सुरक्षित संरक्षित की। वीडीओ कॉन्फ्रेंस से सुनवाई का नया दौर शुरू हुआ। ब्रिटिश राज युग का आईपीसी और सीआरपीसी अद्भुत कानून है। हमने इतने दशकों में उसे अपने अनुभव, प्रयोगों और मेधा से और ज्यादा सशक्त और व्यवहारिक बनाया है।

भाजपा ने निकाली आक्रोश रैली, जयराम बोले- पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं करेगी सरकार

कुल्लू, 04 मार्च (एजेन्सी)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकारी संस्थानों में तालाबंदी करने वाले मुख्यमंत्री के नाम से जाने जाएंगे। यह बात उन्होंने शनिवार को ढालपुर चौक में जिला भाजपा की आक्रोश रैली के दौरान कही। जयराम ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं करेगी। प्रदेश में जिस तरह के हालत पैदा किए जा रहे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि यह सरकार ज्यादा समय तक नहीं चलेगी।

पहली बार ऐसा हुआ है, जब किसी सरकार के खिलाफ विपक्ष मात्र दो से तीन माह के भीतर ही सड़क पर उतर गया है। आज से पहले किसी भी मुख्यमंत्री और सरकार ने बदले की भावना से काम नहीं किया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने विकास में ताला लगाकर कर गारंटियों पर फोकस किया है। जयराम ने कहा कि कांग्रेस की गारंटियां तो पूरी नहीं होंगी, बल्कि कांग्रेस की गारंटी गोल हो जाएगी।

कहा कि सीएम पहले कैबिनेट में नहीं रहे, इसलिए उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। पूर्व सरकार ने जनता की मांग पर खोले संस्थानों में डॉक्टर, एसडीएम, बीडीओ और पटवारी लगाए थे। लोगों को सुविधा मिलना शुरू हो गई थी। कांग्रेस ने सत्ता में आते ही इन्हें बंद कर दिया। अब मुख्यमंत्री ने सूबे में 200 स्कूलों और 20 कॉलेजों को बंद कर दिया है। ऋण लेने पर जयराम ने कहा कि कांग्रेस की पूर्व सरकार 50,000 करोड़ का ऋण छोड़कर गई थी। उनकी सरकार में कुल 69,500 करोड़ का ऋण था।

कांग्रेस इसे बढ़ाकर 75,000 करोड़ बता रही है। मुख्यमंत्री व्यवस्था बदलने की बात करते हैं, लेकिन उनकी सरकार ने छोटे से प्रदेश में उपमुख्यमंत्री बना दिया और मुख्यमंत्री की तरह सुविधा दी गई। ऐसे में प्रदेश में एक नहीं दो मुख्यमंत्री काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने विधायकों को कुछ नहीं दिया, बल्कि अपने संगी साथियों को सलाहकार बनाकर उन्हें कैबिनेट का दर्जा दिया गया है।

जयराम ने कांग्रेस सरकार को चेतावनी दी कि संस्थानों को बंद करने के विरोध में भाजपा प्रदेश भर में हस्ताक्षर अभियान चला रही है। विधानसभा से लेकर सड़कों तक विरोध तेज होगा। कुल्लू से इसकी शुरुआत हो गई है।

14 मार्च को भोपाल में रैली करेंगे केजरीवाल, 230 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी आप

भोपाल, 04 मार्च (एजेन्सी)। पंजाब और दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी (आप) लगातार अपना विस्तार कर रही है। मध्य प्रदेश में साल के अंत में चुनाव होने है। पार्टी प्रदेश की सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। चुनावी अभियान का शुभारंभ करने के लिए पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 14 मार्च को भोपाल में रैली करेंगे। केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी रैली को संबोधित करेंगे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री और राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने भोपाल के गांधी भवन में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 14 मार्च को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान भोपाल आएंगे।

इस दौरान रैली में शामिल होने के साथ आम जननसभा को संबोधित करेंगे। पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर पूछे सवाल पर पाठक ने कहा कि जल्द ही पदाधिकारी घोषित कर दिये जाएंगे। बीजेपी की बी टीम होने के आरोप पर कहा कि आप ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों को ही हराया है। आप ए ख़लस टीम है।

पाठक ने कहा कि जनता बीजेपी और कांग्रेस दोनों से त्रस्त हो गई है। अरविंद केजरीवाल सकारात्मक राजनीति करते है। इसलिए हमें भरोसा है कि प्रदेश की जनता अरविंद केजरीवाल को एक मौका जरूर देंगी। पार्टी की तरफ से आगामी विधानसभा चुनाव में सीएम फेस को लेकर पाठक ने कहा कि चुनाव से पहले नाम घोषित किया जाएगा। बता दें आम आदमी पार्टी ने नगरीय निकाय चुनाव में सिंगरौली मेयर का चुनाव जीता है।

मैं मोदी जी की अलोचना करने नहीं बैठा, मैं उनको सुधार दूंगा: कपिल सिब्बल

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व नेता और निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल ने दावा किया है कि वो आगामी 11 मार्च को जंतर-मंतर पर एक मुहिम की शुरुआत के तहत न्यू विजन ऑफ इंडिया पेश करेंगे।

कपिल सिब्बल ने शनिवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि ये कोई राजनीतिक मुहिम नहीं हैं। हम चाहते हैं कि सब मिलकर इस बदलाव के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि किसी भी शासन में सब चीजें बुरी नहीं होती पर अब उसकी हद हो चुकी है। इसलिए 11 मार्च को जंतर-मंतर पर हम इस मुहिम की शुरुआत करेंगे।

इसके लिए उन्होंने कहा की वो विपक्षी दलों के नेताओं और मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित करेंगे। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में वो महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ जा कर विपक्षी दलों के नेताओं को एकजुट करेंगे।

हालांकि सिब्बल ने ये भी कहा, मैं मोदी जी की अलोचना करने नहीं बैठा, मैं उनको सुधार दूंगा। ये कोई राजनिक मुहिम नहीं हैं। हम चाहते हैं कि सब मिलकर इस बदलाव के लिए काम करें।

उन्होंने कहा कि जब जब बदलाव आया है कभी भी वकीलों द्वारा आया है। मैं पूछना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान के वकील चुप क्यों हैं। मुझे लगता है कि हिन्दुस्तान के वकीलों को एक जुट होकर एक नई आवाज उठानी चाहिए। एक अभियान चलाना चाहता हूं । हिन्दुस्तान हर जगह बेइंसाफी का दौर चल रहा है, बिजनेस, पत्रकार, जनता, विपक्ष सब पर।

उन्होंने कहा, इंसाफ की सिपाही नाम से हमने एक वेबसाइट शुरू की है। इसमें वकील लोग सबसे आगे होंगे लड़ाई लड़ने में। हिन्दुस्तान की हर गली में हर कस्बे में इंसाफ के सिपाही खड़े रहें। जो जनता की हर मुद्दे पर मदद करें। देश का संविधान ये कहता है कि इंसाफ मिलना चाहिए न्याय (सामाजिक, आर्थिक और राजानिक) होना चाहिए। एक चुनी हुई सरकार को गिरा दिया गया, विश्व में कौन सा ऐसा लोकतांत्रिक देश है, जहां पर ऐसा होता है और इस पर कोर्ट, जनता और वकील चुप बैठे हैं।

उन्होंने दावा किया कि केवल देश के सौ लोगों के पास 54 लाख करोड़ है।

देश बिना बजट के इस पैसे से 18 महीने तक चल सकती है। किसी के पीछे भी ईडी और सीबीआई लगा दी जा रही है। हम इस देश में सरकार बनाम जनता देख रहे हैं। 121 लोगों खिलाफ ईडी पहुंची, इसमें से 115 विपक्षी लोग थे। जो बीजेपी में शामिल हो गए, उनके खिलाफ केस भी खत्म कर दिया गया।

उन्होंने कहा, एक नागरिक की डिग्निटी की रक्षा करना संविधान का कर्तव्य है, लेकिन सरकार उसी के धर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। ये वक्त आ गया है जानता को जागरूक करने का, आप हमारे धर्म के सिपाही बनिए, मैं चाहूंगा विपक्षी दलों के सीएम और नेता हमारे अभियान में सहयोग दें।

सड़कों पर उतरी महिला कांग्रेस, कहा- बहनों को हजार रुपये देकर गैस से वसूल रहे 1500

कटनी, 04 मार्च (एजेन्सी)। देश में बढ़ती हुई महंगाई और गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों को लेकर शनिवार को महिला जिला कांग्रेस कमेटी ने मिशन चौक पर सिलेंडर उठाकर विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ईरानी यूपीए सरकार में रसोई गैस के थोड़े से दाम बढ़ने पर विरोध करने सड़क पर उतर जाती थीं, वे अब कहां हैं। वहीं, प्रदर्शनकारी महिलाओं ने लाडली बहना योजना को भी महिलाओं के साथ छलावा बताया है।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा ने कहा कि आज सब लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं।

खासकर महिलाएं इससे जूझ रही हैं। रसोई गैस के दाम काफी बढ़ गए हैं और खाद्य पदार्थ भी महंगे हैं। इसे लेकर आज हम महिला कांग्रेस रसोई गैस के बढ़ते दामों को लेकर सड़क पर उतरे हैं।

लाडली बहना योजना पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि गैस का दाम बढ़ाकर और एक हजार रुपये देना, ये कहां की योजना है। अब वो स्मृति ईरानी कहां चली गई हैं जो महंगाई का विरोध करती थीं। आज देश की हर महिला उनको ढूंढ रही है।

तब तक नीतीश रहेंगे सीएम, बिहार के लोग मारे जाते रहेंगे : चिराग

पटना, 04 मार्च (का.सं.)। तमिलनाडु में बिहार के लोगों पर हो रहे हमले और मारपीट के बाद हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जांच के आदेश दे दिए हैं। एक जांच टीम तमिलनाडु भेजी गई है। बावजूद इसके लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने सीएम नीतीश पर शनिवार को खूब 'बरसे'। उन्होंने नीतीश कुमार को खरी-खोटी सुनाई। चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार जब तक बिहार के मुख्यमंत्री रहेंगे, तब तक बिहार के लोगों के साथ ऐसे ही मारपीट होती रहेगी। चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार के रहते बिहारी शब्द गाली बन गया है। बिहार के लोग तमिलनाडु में मारे पीटे जा रहे हैं।

चिराग पासवान ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के जन्मदिन में तेजस्वी यादव के शामिल होने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव चार्टर्ड प्लेन से उनके जन्मदिन में शामिल होने जाते हैं। वहां तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के साथ उनके जन्मदिन का केक काट रहे थे। वहीं दूसरी तरफ बिहार के लोगों के साथ मारपीट हो रही थी। चिराग पासवान ने तेजस्वी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्होंने एक शब्द भी बिहार के लोगों के साथ हो रही मारपीट पर नहीं कहा। उन्होंने तेजस्वी यादव से सवाल पूछा कि क्या उन्हें इस घटना के बारे में जानकारी नहीं थी? अगर थी तो बिहार के लोगों से जाकर क्यों नहीं मिले।

चिराग पासवान ने कहा कि जब तक नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री रहेंगे, बिहार के लोग ऐसे ही मारे पीटे जाते रहेंगे। बिहार के लोगों के साथ हो रही मारपीट के लिए चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इसका जिम्मेदार ठहराया। एलजेपी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि इनकी वजह से बिहार के लोग दूसरी जगह जाने को मजबूर हैं। बिहार में रोजगार न मिल पाने की वजह से वह पलायन को मजबूर हैं। पलायन का आंकड़ा साल दर साल बढ़ रहा है। इन सब के जिम्मेदार नीतीश कुमार हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को सुरक्षा मिलनी चाहिए।

चिराग पासवान ने बिहार के लोगों पर हो रहे इस तरह के हमलों को रोकने के लिए केंद्रीय कमेटी गठन करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मांग मैंने सीएम नीतीश कुमार से पहले भी की थी। ताकि बिहार के लोगों को सुरक्षा मिले। चिराग पासवान ने कहा कि हमने बिहार सरकार से आग्रह किया है कि हर राज्य में बिहार प्रवासी केंद्र का गठन किया जाना चाहिए। ताकि वह ऐसी समस्या में केंद्र से संपर्क करें।

चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अहंकारी बताते हुए कहा कि बिहार सरकार ने उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया है। ऐसे में बिहार के लोग कहां जाएंगे? चिराग पासवान ने नीतीश कुमार के इसी रवैए को जेडीयू के जनाधार की कमी का कारण बताया। चिराग ने कहा कि आज जेडीयू बिहार में तीसरे नंबर की पार्टी बनकर रह गई है। वह दिन दूर नहीं जब जेडीयू का नाम लेने वाला कोई नहीं रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई तमिलनाडु सरकार की याचिका पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के खाद्य सुरक्षा आयुक्त की 2018 की अधिसूचना को रद्द कर दिया था। इसके जरिए गुटखा और अन्य तंबाकू आधारित उत्पादों की बिक्री, निर्माण और परिवहन पर रोक लगाई गई थी। हाई कोर्ट द्वारा इसे रद्द करने के आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

शीर्ष अदालत की जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की पीठ ने तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर याचिका पर खाद्य सुरक्षा आयुक्त, जयविलास टोबैको ट्रेडर्स और अन्य को नोटिस जारी किया। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, 'विशेष अनुमति याचिका में नोटिस जारी करें। अंतरिम राहत के लिए प्रार्थना में भी नोटिस जारी करें।'

वहीं, राज्य का पक्ष रख रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने अदालत में तर्क दिया कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त के गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री, भंडारण, निर्माण आदि पर प्रतिबंध लगाने के आदेश खाद्य सुरक्षा और मानकों के विनियम (बिक्री पर प्रतिबंध और प्रतिबंध) विनियम, 20112.3.4 द्वारा समर्थित हैं।

गौरतलब है कि मद्रास हाईकोर्ट ने 23 मई, 2018 को खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वारा जारी एक अधिसूचना को रद्द कर दिया था। जिसमें गुटखा, पान मसाला और तंबाकू/निकोटीन युक्त अन्य चबाने योग्य खाद्य उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अधिसूचना को रद्द करने आदेश देते हुए अदालत ने माना था कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त को साल दर साल लगातार अधिसूचना जारी करके तंबाकू उत्पादों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने की अनुमति देना एक ऐसी शक्ति प्रदान करने के समान होगा जो कानून में प्रदान नहीं की गई थी। साथ ही अदालत ने यह भी कहा था कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वारा जारी तमिलनाडु में गुटखा और पान मसाला पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना उसकी शक्तियों के भीतर नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से देश में बाघों की कथित मौत के बारे में जानकारी मांगी है। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने बाघों की मौत के बारे में समाचार पत्रों की खबरों पर ध्यान देने के बाद यह जानकारी मांगी है। शीर्ष अदालत 2017 में अधिवक्ता अनुपम त्रिपाठी द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें लुप्तप्राय बाघों को बचाने की मांग की गई थी, जिनकी संख्या देश भर में घट रही है।

याचिका में कहा गया था कि बाघ या तो स्थानीय लोगों या अधिकारियों द्वारा ज़हर देकर, वन रक्षकों द्वारा गोली मारकर या अवैध शिकार करके मारे जा रहे हैं।

एनकॉर्ड की जिलास्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 04 मार्च । मादक पदार्थों के व्यापार और दुरुपयोग को रोकने के उपायों की जांच एवं विश्लेषण हेतु आज मंगन जिला शासक हेम कुमार छेत्री की अध्यक्षता में नार्को समन्वय केंद्र (एनकॉर्ड) की जिलास्तरीय समिति की तीसरी बैठक हुई। इसमें डीएम के अलावा एसपी, चुंगथांग एडीसी विकास, एसडीएम और सम्बंधित विभागों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया।

बैठक में जिले में नशा मुक्ति के बुनियादी ढांचे की स्थापना के महत्व के संबंध में विचार-विमर्श के साथ ही संबंधित विभागों की अलग-अलग भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों पर चर्चा सत्र का आयोजन हुआ। वहीं इसमें मुद्दे पर जागरूकता फैलाने हेतु छात्र कैडेट कार्यक्रम, ग्राम औषधि निगरानी समिति के साथ समन्वय, ग्राम सभा सत्र आदि जैसे विभिन्न तरीकों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में डीएम ने जिले में नशाखोरी रोकने हेतु सामूहिक प्रयास की आवश्यकता बताते हुए आम लोगों को नशीली दवाओं के सेवन, दुरुपयोग एवं इनके दुष्प्रभावों को रोकने में उनकी भूमिका के बारे में जागरूक करने पर बल दिया।

आयुर्वेद का विश्व में बजेगा डंका, भारत की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत : डॉ. नेसरी

गुवाहाटी, 04 मार्च (एजेन्सी)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के गठन का मुख्य उद्देश्य है राजनीति, आर्थिक और रक्षा। इनमें से आर्थिक जो मुख्य उद्देश्य है, उसके तहत पारंपरिक दवा एव चिकित्सा को सामने रखकर बी2बी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है।

पारंपरिक दवाओं के माध्यम से हम इकोनॉमी को कैसे बढ़ा सकते हैं, इस पर चर्चा हुई। आने वाले दिनों में आयुर्वेद का डंका पूरी दुनिया में बजने वाला है। इससे जहां दुनिया के लोगों को आसानी से आयुर्वेद के उत्पाद मिलेंगे, वहां भारत की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। विदेशों से जो दवाएं आज हम आयात कर रहे हैं, वह कम होंगी और भारत आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम आगे बढ़ाएगा।

आयुष मंत्रालय के आयुर्वेद सलाहकार डॉ. मनोज नेसरी ने कहा कि जबसे आयुष मंत्रालय बना है, तबसे इसकी ग्रोथ चकित करने वाला है। मंत्रालय ने जो लक्ष्य रखा था, उसे केवल तीन वर्षों में ही हासिल कर लिया। उल्लेखनीय है कि पहले दो दिवसीय वैश्विक एससीओ बी2बी कॉन्फ्रेंस शुक्रवार को संपन्न हो गया, जबकि पारंपरिक चिकित्सा एक्सपो पांच मार्च तक जारी रहेगा।

उन्होंने बताया कि असम के गुवाहाटी शहर में आयोजित पहले दो दिवसीय वैश्विक एससीओ बी2बी कॉन्फ्रेंस शुक्रवार एसीओ के 17 देशों से 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए। 75 से अधिक बैठकों का आयोजन हुआ। इस मंच पर एससीओ देशों के प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का मौका मिला। हमने एक-दसरे के विचार सुने। जो देश सम्मेलन में नहीं पहुंच पाए, उन्होंने वर्चुअल हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत पूरे विश्व में पारंपरिक चिकित्सा के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। आज हमें यह बताते हुए अपार खुशी हो रही है कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)- एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठन -की अध्यक्षता इस वर्ष भारत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि यह एक खास अवसर है, क्योंकि 17 देशों के विशेषज्ञ पारंपरिक चिकित्सा पर विचार मंथन के लिए एक मंच पर आए। समग्र स्वास्थ्य के लिए आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और पारंपरिक चिकित्सा के संविलियन के लिए यह आयोजन एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा।

बहरीन देश के प्रतिनिधि हाइफा हुमूद ने कहा कि भारत के नेतृत्व में यह पहला एससीओ कॉन्फ्रेंस है। यह एक अद्भुत अवसर और मौका का। हमारे देश में हम आयुर्वेद को लेकर जो काम कर रहे हैं, वह बात मैं यहां रख पाई। और दूसरे देशों की बात भी हमने सुनी। यहां आकर जाना कि हमारे अलावा किन देशों में आयुर्वेद को लेकर कैसा काम चल रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन बहुत बड़ा है। वे सबको साथ लेकर चलते हैं। निश्चित ही आने वाले समय में इसका फायदा सबको होगा।

मंगोलिया की स्वास्थ्य विभाग की अधिकारी और प्रतिनिधि युंचिमर्ग मामखु ने कहा, हमारे देश में तो आयुर्वेद शिक्षा में शामिल है। यह हमारे देश में तिब्बत से आया और हम इसे लेकर काफी गंभीर हैं। हमारी दवाओं में आयुर्वेद मूल में है। डॉक्टर और प्रेक्टिशनर्स मिलकर काम कर रहे हैं। अब पूरा विश्वास है कि इस तरह के आयोजन से आयुर्वेद का दायरा बढ़ेगा और मावन जाति को लाभ होगा। भारत ने इसका नेतृत्व करने का बीड़ा उठाया है। भारत से बहुत उम्मीदें हैं।

ओडिशा के प्रतिनिधियों ने जिले के पर्यटनस्थलों का किया दौरा

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 04 मार्च । केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत स्थानीय रावांग्ला नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित युवा संगम कार्यक्रम के दूसरे दिन आज ओडिशा के आगत प्रतिनिधियों ने जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों एवं अन्य स्थानों का दौरा किया। इस दौरे में ओडिशा के विभिन्न कॉलेजों के 31 छात्रों एवं 5 समन्वयकों के साथ एनआईटी रावांग्ला के नोडल अधिकारी राम नेपाल और अन्य कर्मचारी भी थे।

ओडिशा के शैक्षणिक दल की यह यात्रा तिमी टी एस्टेट से शुरू हुई, जहां उन्हें प्रोसेसिंग यूनिट के बारे में जानकारी दिये जाने के साथ ही टूरिस्ट गाइड सरोज राई ने सिक्किम की एकमात्र जैविक चाय के निर्माण में उपयोग की जाने वाली परम्परागत प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने दल के सदस्यों को तेमी चाय के उत्पादन के विभिन्न चरणों की जानकारी प्रदान की। इसके अलावा, ओडिशा के छात्र एवं अधिकारी तेमी तार्कु में तेज कुमार पौड्याल के अंशम कुटीर होमस्टे में भी गये और जाउबारी के जैविक किसानों से बातचीत की। वहां से छात्रों ने भी सिद्धेश्वर धाम जाकर पूजा-अर्चना भी की।

ओडिशा का यह शैक्षणिक प्रतिनिधि दल अगले कई दिनों में गंगटोक का दौरा करेगा और राजधानी तथा उसके आसपास के विविध पहलुओं से रूबरू होगा। उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों तथा यहां की संस्कृति को शेष भारत से जोड़ने हेतु 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के युवा संगम कार्यक्रम शुरू किया गया है। इससे पूर्वोत्तर की परम्परा एवं संस्कृति को मुख्यधारा में लाने में मदद मिलेगी और ज्ञान का आदान-प्रदान हो सकेगा। इसमें कुल 21 राज्य भाग ले रहे हैं और सिक्किम को ओडिशा के साथ जोड़ा गया है।

ग्राम पंचायत विकास .....

में प्रखंड को बाढ़ मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू करने पर भी चर्चा हुई। इस दौरान बीडीओ वांग्दी शेरपा, जिला पंचायत सदस्य अंजू गुरूंग, वार्ड पंचायत और सम्बंधित विभागीय अधिकारियों ने वक्तव्य रखा।

पीएम मोदी से मिले बिल गेट्स, कहा- भारत की प्रगति से उत्साह बढ़ा, मैंने यहां बहुत कुछ देखा और सीखा

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेन्सी)। अरबपति अमेरिकी उद्यमी और परोपकारी बिल गेट्स ने शनिवार को राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और कहा कि वह स्वास्थ्य, विकास और जलवायु परिवर्तन के शमन-दमन जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति से पहले से अधिक उत्साहित हैं।

गेट्स ने कोविड महामारी से निपटने में भारत की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा है कि वह मोदी की बात से सहमत है कि वैक्सिनेशन के लिए कोविन एप पूरे विश्व के लिए उपयोगी है। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद गेट्स ने ट्वीट कर के भारत की अपनी यात्रा पर अपने उद्गार' साझा करते हुए लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मेरी बातचीत ने स्वास्थ्य, विकास और जलवायु के क्षेत्र में भारत द्वारा की जाने वाली प्रगति के बारे में पहले से अधिक आशावान बना दिया है। भारत यह दर्शा रहा है कि जब हम नवाचार में निवेश करते हैं, तो क्या से क्या संभव हो जाता है।

मुझे उम्मीद है कि भारत इस प्रगति को कायम रखेगा और दुनिया के साथ अपने नवाचारों को साझा करेगा। माइक्रो साफ्ट के सह संस्थापक और बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन के प्रमुख के ट्वीट के जवाब में मोदी ने ट्वीट किया बिल गेट्स से मिलकर प्रसन्नता हुई और हमने प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उनकी विनम्रता तथा धरती को बेहतर और अधिक स्वस्थ करने का उनका उत्साह स्पष्ट दिखाई देता है।

प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के मुताबिक मोदी से बातचीत में गेट्स ने कहा, मैं एक सप्ताह भारत में रहा, यहां स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में जो नवाचारी कार्य हो रहे हैं, उन्हें देखा-सीखा। ऐसे समय में जब दुनिया को अनेक चुनौतियों का सामना है, तब भारत जैसे जीवंत और रचनात्मक स्थान पर आना मेरे लिए प्रेरणास्पद है।

प्रधानमंत्री से अपनी मुलाकात को अपनी इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए गेट्स ने इस बैठक पर अपनी एक टिप्पणी में लिखा कि वह पिछले कुछ वर्षों से मोदी से सीधे नहीं मिल सके थे पर, प्रधानमंत्री मोदी और मैं बराबर एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं, खासतौर से कोविड-19 वैक्सीन के विकास और भारत की स्वास्थ्य प्रणालियों में निवेश के विषय पर हमारी बातचीत होती रही है।

गेट्स ने लिखा है, भारत में तमाम सुरक्षित, कारगर और सस्ती वैक्सीन बनाने की अद्भुत क्षमता है, इनमें से कुछ को गेट्स फाउंडेशन सहयोग करता है। भारत में उत्पादित वैक्सीनों ने महामारी के दौरान लाखों जाने बचाई हैं और पूरे विश्व में अन्य बीमारियों को फैलने से रोका है।

गेट्स ने महामारी से निपटने के लिए भारत की व्यवस्था पर कहा कि प्राणरक्षा के नये उपकरण बनाने के अलावा, भारत ने उनकी आपूर्ति में भी उत्कृष्टता प्राप्त की है - उसकी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ने कोविड वैक्सीन की 2.2 अरब खुराक से अधिक की आपूर्ति की। उन्होंने कोविन नामक ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म बनाया, जिसके तहत लोगों ने टीकाकरण के अरबों अख्रवॉन्टमेंट लिये और जिन्हें टीके लगाये गये, उन्हें डिजिटल प्रमाणपत्र दिये गये। इस प्लेटफॉर्म को अब विस्तृत किया जा रहा, ताकि भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम को समर्थन दिया जाये।अरबपति उद्यमी गेट्स ने लिखा है,प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि कोविन पूरी दुनिया के लिये आदर्श है, और मैं इससे सहमत हूं।

डिजिटल भुगतान में भारत के बढ़ते कदम की तारीफ करते हुये गेट्स ने कहा कि महामारी के दौरान भारत 20 करोड़ महिलाओं सहित 30 करोड़ लोगों को आपातकालीन डिजिटल प्रणाली से भुगतान करने में सक्षम रहा है। यह इसीलिये संभव हो सका क्योंकि भारत ने वित्तीय समावेश को प्राथमिकता दी, एक डिजिटल पहचान प्रणाली (आधार) में निवेश किया और डिजिटल बैंकिंग के लिये नवाचारी प्लेटफॉर्मों की रचना की। यह बताता है कि वित्तीय समावेश एक शानदार निवेश है।

गेट्स ने अपने संवाद में पीएम गतिशक्ति मास्टर-प्लान, जी-20 अध्यक्षता, शिक्षा, नवोन्मेष, रोगों से लड़ना और मोटे अनाज के प्रति आग्रह जैसी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR KOSAI MORNING
SATURDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:118 DrawDate on:04/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 79K 61010
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 61010 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
20078 34999 36545 36821 47668 51942 65960 66044 68062 84786
3rd Prize ₹450/-
3818 3830 4512 5383 6683 7765 8015 8259 8392 9759
4th Prize ₹250/-
0921 1302 2404 2578 4566 5417 5419 8584 8701 9467
5th Prize ₹120/-
0035 0039 0225 0239 0420 0457 0481 0665 0744 0852
0983 1048 1097 1149 1191 1273 1316 1469 1627 1673
1804 2049 2113 2206 2300 2343 2394 2429 2526 2797
2851 2872 3044 3258 3314 3435 3536 3545 3555 3601
3672 3844 3922 4023 4148 4280 4396 4557 4580 4668
4733 4769 5051 5196 5277 5280 5452 5857 5962 6022
6080 6198 6274 6343 6608 6774 6953 6980 7026 7180
7206 7256 7329 7635 7758 7815 7996 8029 8053 8094
8168 8191 8456 8471 8477 8491 8780 8903 8998 9123
9239 9248 9252 9268 9315 9336 9429 9549 9551 9655
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MARS SATURDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:118 DrawDate on:04/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 83L 68638
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 68638 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02517 19879 29081 49237 52280 67744 70865 71461 82262 85959
3rd Prize ₹450/-
1787 1934 1966 2438 3901 4516 5539 6612 6641 8027
4th Prize ₹250/-
0149 0380 0424 0587 3542 4065 6322 8016 9056 9981
5th Prize ₹120/-
0156 0225 0291 1017 1213 1230 1360 1362 1449 1492
1674 1803 1823 1960 2011 2024 2045 2132 2339 2555
2693 2772 2907 2954 2956 3039 3115 3199 3325 3458
3500 3722 3776 3827 3966 4014 4251 4256 4282 4505
4568 4590 4817 4846 4871 5057 5150 5187 5335 5348
5382 5430 5480 5500 5677 5820 5890 5925 6041 6046
6198 6227 6519 6898 6982 6983 7076 7218 7269 7386
7395 7522 7527 7644 7832 7948 8041 8100 8102 8147
8201 8407 8500 8515 8593 8654 8705 8845 8962 8974
9138 9246 9368 9436 9441 9442 9540 9602 9685 9784
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR OSTRICH EVENING
SATURDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:218 DrawDate on:04/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 63K 07273
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 07273 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
27813 32524 36927 43485 44832 46440 64981 71355 73635 95657
3rd Prize ₹450/-
2085 3002 3800 4168 4719 4762 5539 6344 8922 9047
4th Prize ₹250/-
1832 2264 2336 2457 4730 6558 6921 7899 8972 9568
5th Prize ₹120/-
0091 0130 0388 0537 0579 0650 0667 0680 0845 0870
0902 1006 1015 1109 1110 1225 1230 1235 1375 1535
1756 1838 1868 1961 2254 2325 2573 2592 2602 2674
2724 2805 2984 3036 3168 3484 3492 3670 3722 3793
3794 3885 3935 3944 4005 4129 4339 4430 4521 4645
4799 5100 5384 5387 5648 6102 6105 6145 6175 6197
6238 6246 6333 6411 6670 6729 6763 6859 6935 7109
7121 7194 7313 7396 7403 7674 7864 7871 8078 8275
8354 8491 8688 8698 8735 8761 9031 9051 9166 9282
9341 9356 9361 9370 9483 9535 9609 9753 9792 9804
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

लोकतंत्र की मजबूती

सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया पर जो ऐतिहासिक फैसला दिया, वह निश्चित रूप से देश में लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने वाला है। इस फैसले ने पिछले सात दशकों से चले आ रहे उस शून्य को भरा है, जो संसद के समय पर उपयुक्त पहल न करने की वजह से बना हुआ था। जैसा कि फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा, संविधान निर्माताओं को उम्मीद थी कि देश की संसद कानून बनाकर मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की एक वाजिब प्रक्रिया निर्धारित कर देगी। मगर सत्तारूढ़ पार्टियां संभवत: अपने हाथ से यह ताकत निकलने देना नहीं चाहती थीं और उनके प्रभाव में संसद अपनी इस जिम्मेदारी को पूरा करने से परहेज करती रही। यही वजह है कि 1990 में एक बार जब राज्यसभा में इस आशय का संविधान संशोधन विधेयक पेश किया भी गया तो बात नहीं बनी।

चार साल तक ठंडे बस्ते में पड़े रहने के बाद यह विधेयक चुपचाप वापस ले लिया गया। यही नहीं, इसके बाद 2015 में लॉ कमिशन ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की सदस्यता वाली एक समिति बनाने की सिफारिश की थी। लेकिन इसका भी कोई नतीजा नहीं निकला। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त की सरकार द्वारा नियुक्ति की अब तक प्रचलित प्रक्रिया में साफ तौर पर हितों का टकराव था।

चुनाव आयोग देश में मतदाता सूची तैयार कराने से लेकर चुनाव संचालित कराने तक की जिम्मेदारी निभाता है, जिससे सत्तारूढ़ पार्टी का हित-अहित भी जुड़ा होता है। इसलिए कायदे से सरकार यानी कार्यपालिका को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से दूरी बनाए रखनी चाहिए। यह न केवल निष्पक्ष चुनाव कराने बल्कि खुद चुनाव आयोग की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए भी जरूरी है।

इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में लॉ कमिशन की सिफारिशों के अनुरूप ही मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की नई प्रक्रिया निर्धारित कर दी। कोर्ट ने संदेह की कोई गुंजाइश न रखते हुए यह भी कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष उपलब्ध न हों तो सदन में विपक्ष के सबसे बड़े दल के नेता को इस समिति में शामिल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी ध्यान रखा कि चुनाव आयोग को पैसों के लिए सरकार का मोहताज न होना पड़े। आयोग के लिए बजट की अलग और स्वतंत्र व्यवस्था करना निश्चित रूप से सरकार पर उसकी निर्भरता कम करेगा। हालांकि व्यवहार में इन सबका कैसा और कितना असर होता है, यह तभी पता चलेगा जब यह प्रक्रिया लागू होगी।

अग्रणी महिलाएं ग्रामीण भारत में बदलाव की सूत्रधार हैं

सुश्री विनी महाजन

ग्रामीण भारत में अग्रणी महिलाएं, समुदायों के व्यवहार में परिवर्तन लाकर स्वच्छ भारत निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं और दूसरों को भी अपने जैसा बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

यह नारी सशक्तिकरण का युग है। यह वास्तव में हमारे लिए अपने समाज में महिलाओं की शक्ति को पहचानने और स्वीकार करने का सही समय है। लेकिन यह केवल खेल, राजनीति, सिनेमा, सशस्त्र बलों, कॉर्पोरेट व्यवसायों या अन्य क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं के बारे में नहीं है। यह ग्रामीण भारत की आम महिलाओं के बारे में है, जो पुरुषों जैसे समान अवसरों और विशेषाधिकारों के बिना भी स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, या एसबीएम-जी जैसी पहलों के कारण हमारे ग्रामीण समुदायों के लिए अग्रणी व्यक्तियों और बदलाव की माध्यम के रूप में विभिन्न भूमिकाएं निभा रहीं हैं।

पेयजल और स्वच्छता विभाग के एक भाग के रूप में, मुझे यह परिवर्तन देखने का सौभाग्य मिला है। वर्तमान में एसबीएम-जी, अपने दूसरे चरण में है। हमारे प्रधानमंत्री ने 2 अक्टूबर 2014 को इस कार्यक्रम के चरण- की शुरुआत की थी, जिसके प्रमुख उद्देश्यों में से एक था- भारत को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) करना। एसबीएम-जी चरण- का उद्देश्य, ओडीएफ की स्थिति को बनाए रखने के साथ ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन है। इसमें गोबरधन सहित जैविक रूप से अपघटित होने वाला अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक रूप से अपघटित नहीं होने वाले अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए उन्नत तरीकों तक पहुंच, घरों से निकलने वाले गंदे पानी का प्रबंधन और मल कीचड़ प्रबंधन शामिल है, ताकि परिदृश्य को स्वच्छ बनाया जा सके।

एसबीएम-जी का मुख्य परिप्रेक्ष्य केवल धन देना और अलग-अलग घरों में शौचालयों का निर्माण करना नहीं था, बल्कि लोगों के सामूहिक व्यवहार में बदलाव सुनिश्चित करना था। इसलिए, इस प्रमुख उपलब्धि को हासिल करने की दिशा में हमारा दृष्टिकोण समुदाय आधारित संपूर्ण स्वच्छता (सीएलटीएस) की रूपरेखा पर आधारित था। यह एक ऐसा दृष्टिकोण था, जिसे पिछले 15-20 वर्षों की अवधि में कई देशों में आजमाया और परखा गया था। सीएलटीएस दृष्टिकोण ने समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित किया और उनके मूल्यांकन के आधार पर समाधान तैयार किए गए। इसने स्थानीय महिलाओं को प्राचीन काल से उनके द्वारा सामना की जा रही उदासीनता के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। हमारे गांवों की महिलाएं ही, खासकर मासिक धर्म और गर्भावस्था के दौरान, दिन के उषा-काल में खुले में शौच करने की प्रक्रिया का उचित वर्णन कर सकती हैं, चाहे सर्दी का मौसम हो या मानसून हो। घर में शौचालय का अभाव न केवल उनकी निजता और सुरक्षा को खतरे में डालता है, बल्कि यह उनके मूल अधिकारों पर भी एक हमला है।

महिलाएं ओडीएफ अभियान की सबसे बड़ी लाभार्थी हैं और इस कारण बड़ी संख्या में महिलाएं इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए आगे आईं और कार्यक्रम की सफलता की कुंजी बन गईं। स्वच्छाग्रहियों के रूप में जानी जाने वाली 30 से 40 प्रतिशत महिला स्वयंसेवकों ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए सामूहिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन की प्रक्रिया की शुरुआत की।

महिला निगरानी समितियों ने खुले में शौच पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित किया। मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा इस अभियान की अगुवाई करने के साथ, महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला समाख्या समूहों तथा अन्य भी इस अभियान के साथ जुड़ गए। पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों ने भी कई स्थानों पर सक्रिय भूमिका निभाई। इन स्थितियों में निस्संदेह यह कहा जा सकता है कि पहले के स्वच्छता अभियानों की तुलना में महिलाओं की भागीदारी ने एसबीएम-जी की सफलता को सुनिश्चित किया। एक समूह द्वारा समर्थित अग्रणी महिलाओं ने पितृसत्तात्मक समाजों, जहां महिलाओं को नेतृत्व-भूमिकाओं में स्वीकार नहीं किया जाता है, में भी सामुदायिक व्यवहार में बदलाव लाने में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

यहां एसबीएमजी के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली कुछ महिलाओं के उदाहरण दिए गए हैं, जिन्होंने समुदायों के व्यवहार और सोच में व्यापक बदलाव लाने में सफलता हासिल की है।

त्रिची जिले के पुल्लमबाड़ी ब्लॉक के कोवंडाकुरिची ग्राम पंचायत की टी. एम. ग्रेसी हेलेन एक विशिष्ट स्वच्छाग्रही या एक अग्रणी महिला के बेहतरीन उदाहरणों में से एक हैं, जिन्होंने अपने समूह के अंदर और बाहर दोनों ही जगह कई लोगों को प्रेरित किया है। वे एक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की सदस्य के रूप में ग्रामीण लोगों के बीच सुरक्षित स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता के तौर-तरीकों को बढ़ावा देने के लिए पिछले दो दशकों से अथक प्रयास कर रही हैं। उन्हें 2015 में एक स्वच्छता मास्टर ट्रेनर के रूप में पदोन्नत किया गया था। उन्होंने अपने जिले में सामुदायिक सक्रियता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एक आदर्श प्रेरणा-स्रोत का खिताब हासिल किया। एसबीएम-जी के पहले चरण के दौरान, उन्होंने अपने ब्लॉक में 1520 लाभार्थियों को दोहरे गड्ढे वाले शौचालयों के निर्माण और उपयोग करने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनकी ग्राम पंचायत को खुले में शौच मुक्त बनाने में मदद मिली। उनके आत्मविश्वास से भरे दृष्टिकोण और मजबूत संचार कौशल ने उन्हें स्वच्छता जागरूकता फैलाने और अपने गांव में व्यवहारिक परिवर्तन लाने में एक प्रभावशाली व्यक्ति बना दिया। एसबीएम-जी के दूसरे चरण के तहत, ग्रेसी ने अपने गांव की ओडीएफ स्थिति को बनाए रखने में बहुत योगदान दिया। एक राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में, उन्होंने 2000 से अधिक प्रेरक व्यक्तियों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, ग्राम गरीबी उन्मूलन समिति के सदस्यों, विभिन्न जिलों के एसएचजी सदस्यों और अन्य को प्रशिक्षित किया है।

श्रीमती एस.ई. पनघाटे इस बात का एक और उदाहरण हैं कि कैसे एक आम महिला अपने दृष्टिकोण, प्रतिबद्धता और दृढ़ता से समुदायों में परिवर्तन ला सकती है। पनघाटे महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के कोरपाना तालुका के पिंपलगांव की हैं और उन्हें 21 आदिवासी गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने पहले ग्रामीण स्तर के सरकारी पदाधिकारियों से संपर्क स्थापित करने का निश्चय किया और उन्हें अपने गांव में स्वच्छता के लिए काम करने की प्रेरणा दी। उसके बाद उन्होंने सक्रिय पुरुषों और महिलाओं को शामिल किया, ताकि वे स्वच्छता के बारे में प्रचार करें और गांवों के ओडीएफ होने के महत्व को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। पुरुषों और महिलाओं की इस टीम के साथ, पनघाटे ने गांव में बैठकें कीं और लोगों को शौचालय बनाने की आवश्यकता व महत्व के बारे में भरोसा दिलाया, जिससे खुले में शौच की प्रथा समाप्त हो गई। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से उन घरों का दौरा किया, जहां शौचालय नहीं थे और उन्हें शौचालय बनाने के लिए राजी किया। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों में स्थायी स्वच्छता स्थितियों के लिए ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में भी काम किया।

इन अग्रणी महिलाओं ने एसबीएमजी के प्रचार में असाधारण प्रदर्शन किया है और उनके जैसे कई अन्य वर्तमान में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को दूसरों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनाने की दिशा में अथक प्रयास कर रहे हैं।

नदियों की बिगड़ती सेहत

अतुल कनक

राजस्थान के कोटा शहर को चंबल नदी का वरदान कहा जा सकता है। इन दिनों कोटा में चंबल के किनारे रिवर फ्रंट बन रहा है। जबसे लोगों की जरूरत का पानी नलों के माध्यम से घरों तक पहुंचने लगा है, अधिकांश नदियों के घाटों का आमजन से नाता टूट गया है और नदियों के प्राचीन घाट उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। जिन घाटों के किनारे प्रसिद्ध तीर्थ हैं, वे अवश्य लोगों की जरूरत का हिस्सा बने हुए हैं और इसलिए जिम्मेदार एजंसियां उनके रखरखाव की ओर ध्यान देती हैं। कोटा में चंबल के पुराने घाटों को ऐसा सुख हासिल नहीं था। बहरहाल, करीब डेढ़ हजार करोड़ रुपए की लागत से बन रहे चंबल रिवर प्रोजेक्ट ने अब नदी किनारे की रौनक बढ़ा दी है। योजना के मुख्य वास्तुकार ने पिछले दिनों एक पत्रकार वार्ता में कहा कि डाकुओं के कारण चंबल की छवि बहुत खराब हो गई थी, वे इस छवि को सुधारना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक चंबल के बीहड़ दुर्दांत डाकुओं की आश्रय स्थली रहे हैं।

बेशक चंबल के बीहड़ों में दुर्दांत दस्युओं की गतिविधियों ने इस नदी को भय और त्रासदी की अनेक कहानियों से जोड़ा है। एक कवि ने अपनी कविता में कहा भी है- मौत से टकराना इसकी शर्त पुरानी है/ सोच-समझ कर पीना, यह चंबल का पानी है। लेकिन चंबल सिर्फ दस्युओं की गतिविधियों का स्मरण नहीं कराती। वह पौराणिक राजा रंतिदेव का भी स्मरण कराती है, जिन्हें प्राचीन वांग्मय में परम दानी और अत्यंत प्रतापी बताया गया है। महाकवि कालीदास ने तो अपने प्रसिद्ध ग्रंथ मेघदूतम् में चंबल को रंतिदेवस्य कीर्तिम् यानी राजा रंतिदेव की कीर्ति कह कर संबोधित किया है।

वांग्मय में चर्मण्यवती यानी चंबल भले राजा रंतिदेव की कीर्ति की वाहक मानी गई हो, लेकिन लोक में तो चंबल डाकुओं की कर्मस्थली होने के लिए ही दुर्दांत है और इसीलिए प्रसिद्ध कवि नरेश मेहता जब अपनी एक कविता में इस बात पर दुख प्रकट करते हैं कि सब नदियों के नाम पर बेटियों के नाम रखे जाते हैं, लेकिन चंबल के नाम पर कोई अपनी बेटी का नाम क्यों नहीं रखता, तो फूलनदेवी से लेकर मोहरसिंह डाकू तक अनेक दस्युओं के किस्से कारण बनकर सामने आ खड़े होते हैं।

मगर ऐसा भी नहीं है कि बीहड़ों का रिश्ता नदी के लिए सभी अर्थों में नुकसानदेह रहा हो। चंबल के किनारे के बीहड़ों में दस्युओं की गतिविधियों के कारण बीहड़ वाले इलाकों में कथित तौर पर सभ्य और संभ्रांत कहे जाने वाले समाज की बसावट नहीं हुई और इसका सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि सभ्यता के कथित सोपान बीहड़ वाले इलाकों में नदी के पानी को प्रदूषण की पीड़ा नहीं दे सके। महत्त्वपूर्ण है कि जिन-जिन नदियों के किनारे घनी आबादी की बसावट हुई है, उन नदियों का प्रवाह आज प्रदूषण से उबरने को छटपटा रहा है। एक मान्यता है कि बहता जल कभी अशुद्ध नहीं होता। हमने नदियों के सहज प्रवाह को तो कई स्तरों पर बांध लिया, लेकिन उसमें अपशिष्ट पदार्थों को प्रवाहित करना बंद नहीं किया। यही कारण है कि जिस गंगा नदी के बारे में माना जाता है कि उसका स्पर्श तक मनुष्य के पापों को धो देता है, उसी पवित्र गंगा नदी का पानी कई स्थानों पर इतना प्रदूषित हो गया है कि उन स्थानों पर नदी के पानी का आचमन अनेक बीमारियों का कारक हो सकता है।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि गंगा और यमुना के किनारे की कई औद्योगिक इकाइयां उनमें रासायनिक अपशिष्ट मिलाकर पानी को जहरीला कर रही हैं। भारतीय पारंपरिक ज्योतिष की कुछ मान्यताएं कहती हैं कि जो व्यक्ति अपने घर की गंदगी किसी नदी में डालता है, वह मातृऋण का भागी होता है और उसका सारा परिवार इस कारण सुखी नहीं रह पाता। इन मान्यताओं के मूल में कोई और वैज्ञानिक तर्क हो या न हो, लेकिन ये मान्यताएं मनुष्य को नदियों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। बहरहाल, जब पानी में सामान्य गंदगी प्रवाहित करने का फल इतना बुरा माना जा सकता है, तो उन लोगों की पीढ़ियों के दुख के बारे में सोचा जा सकता है जो पानी में जहरीले रसायन मिला रहे हैं। नदियों के प्रवाह में हानिकारक रसायन प्रवाहित करना नहीं रोका गया तो किसी व्यक्ति विशेष की पीढ़ियां नहीं, सारा समाज इसका खमियाजा भुगतेगा।

कुछ समय पहले एक रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ था कि कुछ दवा बनाने वाली कंपनियों के कारखानों के अपशिष्ट के कारण और कुछ शहरों में रह रहे लोगों द्वारा अनुपयोगी दवाइयां नदियों में फेंके जाने के कारण कई बड़े शहरों के किनारे स्थित नदी-जल में मधुमेह, रक्तचाप और गर्भ निरोध के काम में आने वाली दवाइयों के तत्त्व पानी में बुरी तरह घुले हुए हैं, जिसका इस्तेमाल किसी स्वस्थ आदमी को भी बीमार कर सकता है। आज भी हमारे यहां नदी जल को पवित्र और शुद्ध माना जाता है और जो लोग आज भी बिना किसी अतिरिक्त शोधन के उस पानी का इस्तेमाल करने को विवश हैं, वे अनजाने में ही वैसे ही हानिकारक रसायनों को उदरस्थ कर रहे हैं जैसे सड़क पर चलता एक पैदल व्यक्ति वाहनों के कारण हवा में घुलने वाले विषैले रासायनिक कणों को अपनी सांस के साथ ग्रहण करने पर विवश होता है। परीक्षण में पता चला है कि नदियों के पानी में मिलने वाला रासायनिक जहर लोगों के फेफड़ों, किडनी और हृदय पर प्रतिकूल असर डालने के साथ-साथ संपूर्ण स्नायु तंत्र को प्रभावित कर एक बड़ी आबादी को कई असाध्य रोग बांट रहा है।

बीहड़ों की नकारात्मकता किसी भी नदी की शाश्वत पहचान नहीं हो सकती। मध्यप्रदेश के भिंड, मुरैना जिलों या राजस्थान के धौलपुर जिले के लिए चंबल के बीहड़ भले अपराधियों या समाज के सताए लोगों के आक्रोश को थामे हुए रहे, लेकिन चंबल नदी के लिए बीहड़ों की यह नकारात्मक छवि वरदान बनी रही। जैसे कोरोना काल में पूर्णबंदी के कारण देश की अधिकांश नदियों का पानी बहुत साफ हो गया था और वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा बहुत कम हो गई थी। नदियों ने मानवजाति को दिल खोलकर अपना स्नेह दिया है। संसार की अधिकांश प्राचीन सभ्यताएं किसी न किसी नदी के किनारे या नदी घाटी में विकसित हुई हैं। इसका कारण यह है कि जल जीवन की बुनियादी जरूरत है और मानव सभ्यता की शुरुआत में मनुष्य के पास अपनी आवश्यकता का पारिस्थितिकी तंत्र निर्बाध रूप से सतत पाने का नदियों के अलावा कोई अन्य स्रोत नहीं था। मगर बदले में मानव ने नदियों को क्या दिया।

पंचतंत्र की एक कहानी कहती है कि एक किसान के पास सोने का अंडा देने वाली मुर्गी थी। वह रोज सोने का एक अंडा देती थी। किसान रोज उसे बाजार में बेचता और अपनी जरूरत पूरी करता। किसान के बेटे ने एक दिन सोचा कि यह रोज-रोज अंडे का इंतजार करने से तो अच्छा है कि मुर्गी का पेट चीर कर सारे अंडे एक साथ निकाल लिए जाएं। उसने मुर्गी का पेट चीर दिया। मुर्गी मर गई। अंदर तो कोई खजाना था नहीं। किसान के बेटे के पास पछताने के अलावा कोई चारा नहीं था।

कहीं हम नदियों के साथ भी वैसा ही व्यवहार तो नहीं कर रहे। हमारे पूर्वज नदियों के संरक्षण के महत्त्व को समझते थे। इसीलिए नदियों को पूज्य माना और ऐसी मान्यताओं को प्रसारित किया गया, जिनसे उन्हें प्रदूषित करते हुए आमजन डरें। मगर विकास के नाम पर हम नदियों को प्रदूषित करते रहे। फिर, नदियां कब तक हमें अपना प्रेम लुटा सकेंगी?

महंगाई का ईंधन

पूर्वोत्तर के राज्यों में मतदान खत्म होने के साथ ही रसोई गैस के सिलेंडर के दामों में एकमुश्त पचास रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। रसोई गैस के सिलेंडर के दाम पहले ही एक हजार के पार थे और इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में इसकी कीमत अब 1,103 रुपए हो गई है। वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम में साढ़े तीन सौ रुपए की बढ़ोतरी हुई है।

यानी अब उन्नीस किलोग्राम के वाणिज्यिक इस्तेमाल वाले गैस सिलेंडर के दाम 2,119.5 रुपए तक पहुंच चुके हैं। जाहिर है, अलग-अलग राज्यों में वहां की कीमतों के अनुपात में बढ़ोतरी हुई है। होली से ऐन पहले हुई यह वृद्धि स्वाभाविक है कि लोगों को खलेगी। महंगाई पहले ही आसमान छू रही है और पेट्रोल के दाम लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं।

ऐसे में रसोई गैस की कीमतों में ताजा बढ़ोतरी खासतौर से चुभने वाली है, क्योंकि सरकार ज्यादातर गैर-उज्ज्वला उपयोगकर्ताओं को अब कोई सबसिडी नहीं देती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त एलपीजी कनेक्शन पाने वाले 9.58 करोड़ गरीबों को प्रति सिलेंडर दो सौ रुपए सबसिडी मिलती है। अब सबसिडी के बाद उन्हें भी एक सिलेंडर के लिए 903 रुपए चुकाने होंगे। साफ है कि गरीब और निम्न मध्यवर्गीय लोगों को इस कमरतोड़ महंगाई से फिलहाल निजात मिलती नहीं दिख रही।

वहीं अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी खबर अच्छी नहीं है। महामारी की मार से उबर रही अर्थव्यवस्था को रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति शृंखला प्रभावित होने की वजह से झटके सहने पड़े हैं। नतीजे में विनिर्माण क्षेत्र के खराब प्रदर्शन के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2022-23 के वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घट कर 4.4 फीसद पर आ गई है।

जबकि 2021-22 की इसी तिमाही में अर्थव्यवस्था 11.2 फीसद की दर से बढ़ी थी। चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वास्तविक वृद्धि दर सात फीसद रहने का अनुमान है जो पिछले वर्ष 9.1 फीसद थी। मान लिया जाए कि जीडीपी की वृद्धि दर को प्रभावित करने वाले कई अंतरराष्ट्रीय कारक होते हैं और यह कभी तेज तो कभी सुस्त होती रहती है, लेकिन सरकार देश के वंचित तबकों के प्रति अपनी जवाबदेही और दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती।

महामारी के बाद महंगाई की मार झेल रहे सबसे निचली कतार में खड़े लोगों के लिए रसोई गैस के सिलेंडर जैसी बुनियादी चीज की बेलगाम कीमतें काफी परेशानी भरी साबित हो रही हैं। सच यह है कि सबसिडी के बावजूद उज्ज्वला योजना तक के सिलेंडर के ऊंचे दाम इसके दायरे में आने वाले उपभोक्ताओं की पहुंच से बाहर हो रहे हैं। खुद सरकार संसद में बता चुकी है कि उज्ज्वला योजना के चार करोड़ तेरह लाख लाभार्थियों ने एक बार भी सिलेंडर नहीं भरवाया तो 7.67 करोड़ लाभार्थियों ने सिर्फ एक बार भरवाया।

सरकार कह सकती है कि रसोई गैस के सिलेंडर के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों से तय होती हैं। यह कीमत डालर में होती है और डालर व रुपए की विनिमय दर के आधार पर तय होती है। यानी डालर के मुकाबले रुपया कमजोर हो तो दाम अपने आप बढ़ जाते हैं। लेकिन अगर हम बीते चौदह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस दौरान रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें आठ बार बढ़ी हैं और कुल बढ़ोतरी 256 रुपए की हुई है।

इस बढ़ोतरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों का हवाला देकर उचित नहीं ठहराया जा सकता। उचित यही होगा कि सरकार रसोई गैस जैसी सबसे बुनियादी चीजों के दाम काबू में रखे, ताकि यह लोगों की पहुंच में रहे।

मुंबई से ठाणे के बीच चली थी भारत की पहली रेलगाड़ी

भारत की यातायात में जान फुक देने वाली भारतीय रेल समूचे भारत को आपस में जोड़ कर रखती है.वर्तमान में जम्मू - कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी व गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैले रेल नेटवर्क से यात्रियों को रेल यातायात की सुविधा मिल जाती है.आज सम्पूर्ण भारत में फैला रेल नेटवर्क सन 1853 में मुंबई से ठाणे के बीच मात्र 34 किलोमीटर का हुआ करता था.यु तो प्रत्येक भारतीय ने अपने जीवन में कभी न कभी रेल के सफर का लुफ्त जरूर उठाया होगा.परंतु बहुत कम ऐसे लोग है जो पहली रेल से जुड़े इतिहास व इसकी प्रग्रति को जानते होंगे.इस लेख के द्वारा आपको भारत में चलाई गई पहली रेल से जुड़े रोचक इतिहास की जानकारी देने जा रहे है.

भारत की पहली रेलगाड़ी से जुड़े रोचक व ज्ञानवर्दक तथ्य

- भारत में रेल निर्माण को लेकर सर्वप्रथम 1844 में रेल संबंधित प्रस्ताव के बारे में चर्चा की गई थी.
- लार्ड डलहौजी के 1847 में भारत का गवर्नर जनरल नियुक्त होने के बाद रेल परियोजना में तेजी से काम होने लगा.
- भारत की पहली रेल 16 अप्रैल 1853 को मुंबई से ठाणे के बीच अंग्रेजो द्वारा चलाई गई थीइन दोनों स्टेशन के बीच की दुरी मात्र 34 किलोमीटर थी.
- भारत में चलाई गई पहली रेल को 34 किलोमीटर की दुरी तय करने में 1 घंटा 15 मिनट का समय लगा था.
- क्या आप जानते है पहली रेल में कुल 400 यात्रियों ने सफर किया था.और इस रेल में 14 रेल डिब्बों को जोड़ा गया था.
- भारत में चलाई गई पहली रेलगाड़ी में कुल 3 इंजिन को लगाया गया था.जिनका नाम क्रमश : सिंध, मुल्तान व शाहिब था.
- पहली रेल को भांप इंजन के द्वारा चलाया गया था.
- इस रेल का निर्माण करने वाली कंपनी का नाम मध्य रेलवे की ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे था.
- जिस समय इस ट्रेन को चलाया गया था तब समय 3 बजकर 35 मिनट हो रहे थे.
- वर्तमान में भारतीय रेल नेटवर्क एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है व सम्पूर्ण विश्व में भारतीय रेल नेटवर्क को 4 स्थान हासिल है.

कंगारू में होती है गजब की खूबियाँ

कंगारू जिसे उछलने वाला जानवर के नाम से भी जाना जाता है.और यह ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पशु है.यह एक स्तनधारी जीव है परंतु यह स्तनधारी जीव होकर भी उन जीवों से बेहद अलग है, क्योंकि यह अपने दो पैरों पर चलता है और चलना भी क्या यह अपने पैरों पर चलकर ना अपितु उछलकर चलता है.जी हा दोस्तों आज का हमारा लेख इसी गजब जानवर से संबंधित है.आज हम आपको कंगारू से जुड़े ऐसे रोचक तथ्य बताने जा रहे है जो आपने आज से पहले शायद नहीं पढ़े होंगे.तो देर ना करते हुए चलिए जानते है कंगारु से जुड़े हैरान कर देने वाले महत्वपूर्ण तथ्य

- क्या आप जानते है विश्व में सर्वाधिक मात्रा में कंगारू ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते है.यहां पर आपको कंगारू सड़कों पर घूमते मिल जाएंगे.उदाहरण के तौर पर जिस तरह भारत की गलियों में कुत्तों की फौज घूमती है ठीक ऐसे ही ऑस्ट्रेलिया की गली गली में कंगारू घूमते है.
- क्या आप जानते हैं कंगारू एक शाकाहारी जीव होता है और यह आमतौर पर फल, घास इत्यादि खाते हैं.
- विश्व में अब तक कंगारुओं की कुल 4 प्रजातियां खोजी गई हैं. जिन्हें रेड कंगारू , अंतिलोपीन कंगारू, ईस्टर्न ग्रे और वेस्टर्न ग्रे के नाम से जाना जाता है.
- कंगारू जमीन पर उछल कर चलने वाला प्राणी है क्योंकि इसके अगले दो पैर छोटे होते हैं जिसके कारण यह जमीन पर संतुलन नहीं बना पाते और यह अपने पिछले दो पैरों पर कूद-कूद कर आगे बढ़ते हैं.
- आपको जानकर हैरानी होगी कंगारू जमीन पर चलने के साथ-साथ पानी में तैर भी सकते हैं.
- क्या आप जानते हैं कंगारू अपने सर को गुमाये बिना अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमा सकते हैं.अर्थार्थ इन्हें अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमाने के लिए सिर को घुमाने की जरूरत नहीं होती.
- क्या आप जानते हैं कंगारू का गर्भकाल बेहद छोटा होता है और यह मात्र 30 से 35 दिनों का ही होता है, परंतु इतने छोटे गर्भकाल के कारण कंगारू का बच्चा पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता और यह अपनी मां के पेट पर बनी थैली में पहुंच जाता है और यही से यह बच्चा पूर्ण रूप से विकसित होना शुरू होता है.
- क्या आप जानते हैं कंगारुओं का एक पांचवा पैर भी होता है. उदाहरण के तौर पर कंगारुओं की पूंछ इतनी शक्तिशाली होती है कि यह सिर्फ अपनी पूंछ पर अपना सारा वजन डाल सकते हैं और यह पूछ इन के पांचवें पैर का काम करती है.
- जब यह 40 से 60 किमी की रफ्तार से जम्प करता है तो इसके पीछे पैर और पूंछ से अपना संतुलन बनाए रखता है। खड़े रहने पर उसकी पूंछ ही उसका सहारा होती है.
- नर कंगारू को बूम, मादा कंगारू को डो और कंगारू के बच्चे को जॉय कहा जाता है.
- क्या आप जानते है इनकी आंखें बहुत तेज होती हैं परंतु ये सिर्फ चलती-फिरती वस्तुओं को ही देख पाते हैं.

दुनियाभर के युवाओं के बीच लोकप्रिय एनिमे की सफलता का रहस्य क्या है

आजकल युवाओं में एनिमे का बड़ा क्रेज है। स्कूल-कॉलेजों में बच्चे झुंड बनाकर बस इसी के बारे में चर्चा करते रहते हैं। जो नई एनिमे सबसे पहले देखकर आता है, उसे बाकियों द्वारा 'कूल' समझा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में एनिमे ने वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त की है। दिसंबर 2021 में जारी की गई एक रिपोर्ट की माने तो पूरी दुनिया में करीब 50 करोड़ लोग एनिमे देखना पसंद करते है। तो आखिर ये एनिमे है क्या? और इसकी इतनी लोकप्रियता का राज क्या है?

एनिमे क्या है?

'एनिमे' शब्द जापान से प्रचलित हुआ है - जिसका मतलब है एनीमेशन। अब आप ये सोचेंगे कि भला युवाओं को कार्टूनों की दुनिया से क्या लेना-देना? लेकिन, इन्हीं कार्टूनों ने युवाओं की मानसिकता पर ऐसा प्रभाव डाला है कि अगर उनके सामने एनिमे को कोई कार्टून कह दे, तो वे बिफर जाते हैं। क्यों कि उनके अनुसार एनिमे, कार्टून सीरीज से अलग है। ये सीरीज अक्सर जापान के लेखकों द्वारा लिखे गए 'मांगा' (लघु उपन्यास) पर आधारित होती है। यूं तो जापानीज एनीमेशन 1920 के दशक से प्रसारित होता आ रहा है, लेकिन कुछ सालों पहले से एनिमे की एक नई श्रेणी प्रचलित हुई है, जिसे 'शोनेन' कहा जाता है। इस तरह के एनिमे सीरीज मुख्य रूप से युवा दर्शकों की रूचि को केंद्र में रखकर बनाए जाते हैं। वेब सीरीज की तरह इनके भी सीजन्स और एपिसोड्स होते हैं, जिन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से देखा जा सकता है। अटैक ऑन टाइटन, फुल मेन्टल अलकेमिस्ट, वन पीस, नारुटो, डेथ नोट, जुजुत्सु काइसन, वन पंच मैन आदि प्रसिद्ध एनिमे की लिस्ट में गिने जाते हैं।

एनिमे की लोकप्रियता का रहस्य क्या है?

अकेले जापान में ही एनिमे का सालाना कारोबार 19 बिलियन डॉलर (1900 करोड़) का है। इसकी लोकप्रियता के कारण कई सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ऐसे भी हैं, जहां पर केवल एनिमे ही उपलब्ध है। 'नारूटो' नामक एनिमे सीरीज के सभी सीजन्स मिलाकर 822 एपिसोड्स हैं ,जिन्हें कई युवाओं द्वारा बिंज वॉचिंग करके कुछ ही महीनों के भीतर देखा जा चुका है। एनिमे सीरीज और किरदारों से जुड़े प्रोडक्ट जैसे टी-शर्ट्स, मास्क्स, स्टिकर्स आदि बेचने वाली कंपनियां भी जमकर मुनाफा कमा रही है। नियमित रूप से एनिमे देखने वालों के लिए अब ये मनोरंजन का प्राथमिक साधन बन गया है। आइए जानते हैं एनिमे की इतनी लोकप्रियता के मुख्य कारण क्या है.-

विषयों की विविधता

एनिमे की शैलियों की विस्तृत श्रृंखला इनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण है। एनिमे में हर व्यक्ति अपने हिसाब की शैली का आनंद ले सकता है। रोमांस, कॉमेडी, एक्शन, एडवेंचर, मिस्ट्री, सस्पेंस और हॉरर आदि एनीमे प्लॉट्स द्वारा खोजी गई कई शैलियों में से कुछ हैं। तो आप एक अपनी पसंद को ध्यान में रखकर कोई भी दिलचस्प क्षेत्र से शुरू कर सकते हैं। एनिमे सीरीज की कहानी इस तरह से बनाई जाती है कि हर उम्र के दर्शकों को मनोरंजन प्रदान किया जा सके। कहा जा सकता है की एनिमे बॉलीवुड और हॉलीवुड की तरह ही एक इंडस्ट्री है, जिसमें हर तरह के विषयों पर कंटेंट बनाया और परोसा जाता है।

बेहद प्रभावशाली एनीमेशन और किसी को पल भर में मोहित कर लेना ही दृश्य तत्व का मुख्य दायित्व होता है, जिसे एनिमे क्रिएटर्स द्वारा बड़े प्रभावी ढंग से किया जाता है। हर चीज एनिमेटेड होने की वजह से युवाओं को जोड़े रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। किन्तु,कल्पनाशील अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के सहारे हर कहानी को बहुत ही खूबसूरती के साथ प्रदर्शित किया जाता है। रंग और छायांकन के उपयोग से लेकर विस्तृत विवरण और स्पष्टता तक, सब कुछ इतनी सावधानी और सोच-समझकर बनाया जाता है, जिससे आपको ऐसा अनुभव हो कि आप उसी कहानी के एक किरदार है। कई सारे हाई क्वालिटी ग्राफिक्स का इस्तेमाल करके एक्शन, हॉरर सीन्स को इतना बेहतरीन बना दिया जाता है कि दर्शक अपनी जगह से हिल भी न पाए। इस तरह एनिमे देखने वाले लोग कई एपिसोड्स को एक ही बार में देख लिया करते हैं।

असल जिन्दगी से जुड़े किरदार

वैसे तो एनिमे कार्टून सीरीज ही हैं, लेकिन इसके किरदार रियल लाइफ से काफी हद तक जुड़े होते हैं। ये सिर्फ हंसी-खुशी तक सीमित न रहकर डिप्रेशन, मानसिक दुर्बलता, जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने में कठिनाई आदि कई विषयों पर भी खुलकर बात करते हैं। एनिमे के विषयों और किरदारों को युवा पीढ़ी अपने वास्तविक जीवन से जोड़कर देखने लगी है। एनिमे की सबसे अच्छी बात ये होती है कि इसकी कहानियों में किरदारों को बहुत अच्छी तरह से बना जाता है, जिन्हें देखते देखते दर्शकों को उनसे जुड़ाव महसूस होने लगता है। यही जुड़ाव उन्हें कहानी के अंत तक जाने के लिए प्रेरित भी करता है। कहानी के साथ साथ पात्रों के चरित्र को प्रभावशाली संवादों और विजुअल्स के साथ बखूबी प्रदर्शित किया जाता है। साथ ही हर एनिमे अपने भीतर किसी न किसी जीवन मूल्य को छुपाए होता है। इसमें किरदारों के व्यक्तित्व की उन खूबियों को भी दिखाया जाता है, जिसे टीवी या ओटीटी सीरीज के निर्माता नजरअंदाज कर देते हैं। एनिमे किरदारों के ये सभी गुण मिलकर उन्हें और अधिक वास्तविक रूप प्रदान करते हैं।

विजुअल इफेक्ट्स में चार चांद लगाने का काम एनिमे का पार्श्व संगीत करता है, जो दर्शकों को कहानी और किरदारों से जोड़े रखता है। यह काफी रहस्यमय और लगभग चमत्कारी है कि किस तरह एनिमे का संगीत किसी चीज को भावनाओं की एक शक्तिशाली प्रतिध्वनि में बदल सकता है।

बदलाव को स्वीकारने वाला समुदाय

एनिमे सीरीज की सबसे खास बात ये है कि इसके निर्माताओं के ग्रुप की सोच बहुत ही प्रगतिशील है, जो मनोरंजन के क्षेत्र में दुनियाभर में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखकर कंटेंट का निर्माण करता है। यह देखते हुए कि एनिमे रचनात्मकता को संचालित करता है, इसका ग्रुप भी जबरदस्त प्रतिभा और क्षमता से भरा हुआ है। एनीमे सम्मेलन कुशल कलाकारों, संगीतकारों, लेखकों, पोशाक डिजाइनरों, फोटोग्राफरों, वीडियोग्राफरों और अन्य रचनाकारों के लिए महान मंच प्रदान करते हैं जो एनिमे के माध्यम से अपने काम को प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य करना चाहते हैं। ग्रुप ने एक यूट्यूब निर्माताओं उप-श्रेणी का उदय भी किया है, जो एनीमे से जुड़ा कंटेंट बनाते हैं।

एनिमे सीरीज की सबसे अच्छी बात ये है की इसमें दर्शक को हर बार एक नया एहसास होता है। भारत के साथ साथ विश्व भर में एनिमे के भविष्य को लेकर अपार संभावनाएं है। एनिमे एक ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो हो सकता है आगे चलकर दुनियाभर के युवाओं के लिए मनोरंजन का प्राथमिक साधन बनने का माद्दा रखता है।

लंगड़ा भूत

जिस दिन से नूरांश का सातवीं क्लास का रिजल्ट आया था, उसी दिन से उसने पापा से दादी के गांव ले चलने की रट लगा रखी थी। कहता था, 'इस साल मुझे दादी के गांव ही जाना है बस। हिल स्टेशन पर घूमने भी नहीं जाना।' उसका गांव जाने को लेकर उत्साह देखते हुए उसके मम्मी-पापा ने उससे प्रॉमिस किया कि, 'ठीक है, इन गर्मियों की छुटियों में दादी के पास गांव चलेंगे।' मम्मी-पापा से प्रॉमिस लेने के बाद ही नूरांश निश्चिंत। दस दिन बीत जाने के बाद आखिर दादी के घर जाने का समय भी आ गया। नूरांश बहुत खुश था, क्योंकि उसके पापा ने गर्मी की छुट्टियों में दादी और चाचा के पास गांव जाने के लिए टिकट बुक करवा लिए थे। अगले दिन उन्हें गांव जाना था। अगले दिन नूरांश गांव पहुंच गया। वह बहुत खुश था । उसकी दादी, चाचा, चाची, उसके चचेरे भाई-बहन रेयांश और गुड्डन सब उसे प्यार करते थे और उसके आने से बहुत खुश थे। एक दिन दोपहर का खाना खाने के बाद जब सब सोए हुए थे तो नूरांश को गर्मी की वजह से नींद नहीं आ रही थी। वह चुपचाप अपने कमरे से बाहर दादी के पास बरामदे में आ गया और बोला, 'दादी, मुझे नींद नही आ रही है। मेरा मन खेतों की ठंडी हवा में जाने का कर रहा है। क्या मैं खेतों में जाकर आ सकता हूं?' दादी बोलीं, 'बेटा ! खेत तो यहां से काफी दूर हैं, तुम अकेले कैसे जाओगे? फिर वापस आते-आते अंधेरा भी हो जाएगा और रास्ते में पीपल का पेड़ भी पड़ेगा। लोग कहते हैं कि उस पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। तुम आज रहने दो, कल चाचा के साथ मोटरसाइकिल से खेतों की तरफ चले जाना।' यह सुनकर नूरांश बोला, 'दादी, मैं पैदल थोड़े ही जाऊंगा। चाचा की साइकिल पर जाऊंगा, मुझे साइकिल चलानी आती है और शाम होने से पहले ही लौट आऊंगा। फिर किस बात का डर? तभी उसके चाचा भी अंदर से उठकर आ गए और कहने लगे, 'मां, उसका मन है तो जाने दो। अब वो आठवीं क्लास में पढ़ता है, छोटा बच्चा नहीं है। जाओ नूरांश, ध्यान से साइकिल चलाना। इसका स्टैंड थोड़ा ढीला है, पर साइकिल ठीक चलती है। और हां, जल्दी आ जाना नहीं तो तुम्हारी दादी यूं ही घबराती रहेंगी।' 'ठीक है चाचू , मैं जल्दी आ जाऊंगा। थैंक्यू दादी, थैंक्यू चाचू। दादी, मम्मी-पापा जब उठ जाएं तो उन्हें भी बता देना।' इतना कहकर नूरांश साइकिल लेकर खेतों की ओर चला गया। हरे-हरे लहलहाते खेतों को देखकर उसे बहुत अच्छा लगा। मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू के बीच टहलते हुए उसे बहुत मजा आ रहा था। कुछ आगे जाने पर उसने खेतो में मोर नाचते हुए भी देखे। वह उन्हें एकटक देखता ही रह गया। तभी उसकी नजर एक पेड़ के नीचे बिछी हुई चारपाई पर पड़ी। उसने सोचा,'अभी तो शाम होने में बहुत समय है, चलो कुछ देर इसी चारपाई पर लेटता हूं।' ऐसा सोचते-सोचते वह चारपाई पर लेट गया। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। इस बीच उसकी आंख कब लग गई, उसे पता ही नहीं चला। जब उसकी आंख खुली तो अंधेरा हो चुका था।

यह देखकर वह खुद को कोसने लगा कि वह सोया ही क्यों! घर पर सब चिंता कर रहे होंगे, यह ख्याल आते ही वह फटाफट उठा और जल्दी-जल्दी साइकिल चलाने लगा। जल्दी घर पहुंचने के लिए वह तेजी से साइकिल चला रहा था। जैसे ही वह पीपल के पेड़ के पास पहुंचा, अचानक अंधेरे में साइकिल का अगला पहिया एक पत्थर पर चढ़ गया और वह गिर पड़ा। तभी दादी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे कि पीपल के पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। उसने फटाफट अपनी साइकिल उठाई और घर की तरफ जाने लगा। पर यह क्या? उसके पीछे खरड़-खरड़ और छन-छन जैसी आवाजें आने लगीं। उसने सोचा कि हो न हो लंगड़ा भूत ही उसके पीछे आ रहा है। यह बात मन में आते ही उसने साइकिल और तेज चलानी शुरू कर दी। पर यह क्या? वह जितनी तेजी से साइकिल चलाता, छन-छन की आवाज भी उतनी ही तेजी से आने लगती, जैसे कोई उसके पीछे आ रहा हो। डर से उसके हाथ कांपने लगे और वह पूरी तरह पसीने से भीग गया। तभी उसे गांव की लाइटें दिखाई देने लगीं। उसने हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह साइकिल चलाता रहा। आवाजें भी लगातार आती रहीं। कुछ देर बाद वह घर पहुंच गया।

घर पहुंचते ही उसने साइकिल एक तरफ फेंकी और चाचा को देखते ही उनसे लिपट गया। बोला,'चाचू, मुझे बचा लो, मेरे पीछे पीपल के पेड़ वाला लंगड़ा भूत आ रहा है। वह मुझे खा जाएगा।' चाचा और पूरा परिवार उसकी ऐसी हालत देखकर हैरान हो गए। सबने उसे पानी पिलाया फिर उसका डर भगाने की कोशिश करने लगे। चाचा बोले,'कोई भूत-वूत नहीं होता है। यह तो हमारे अंदर का डर होता है बस और कुछ नहीं। अच्छा, अगर भूत है तो बताओ वह अंदर क्यों नहीं आया? मुझे पूरी बात बताओ कि आखिर हुआ क्या था?' अब तक नूरांश का डर भी काफी कम हो चुका था। उसने चाचा को बताया कि कैसे उसे खेत में नींद आ जाने पर अंधेरा हो गया था और घर जल्दी पहुंचने के लिए वह साइकिल तेज चलाने लगा। इसके बाद पीपल के पेड़ के पास गिरने और लंगड़े भूत के पीछा करने की आवाजें आने की बात भी उसने चाचा को बताई। इतना सुनते ही चाचा दो मिनट के लिए बाहर गए और साइकिल देखते ही सारा माजरा समझ गए। उन्होंने नूरांश को अपने पास बुलाया और पूछा,'तुमने अपने स्कूल में पेड़ों के बारे में जरूर पढ़ा होगा। अब जरा बताओ कि पेड़ हमारे दोस्त हैं या दुश्मन?' 'चाचू, दोस्त हैं।' चाचा ने फिर सवाल किया, 'फिर तुमने यह कैसे सोच लिया कि पीपल के पेड़ पर भूत रहता है?' नूरांश बोला, 'वो दादी ने कहा था न, इसलिए मुझे ऐसा लगा।' चाचा ने समझाया, 'बेटा, आपकी दादी गांव में रहती हैं और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास कर लेती हैं, क्योंकि उनके समय में आजकल की तरह शिक्षा के साधन नहीं थे। गांव में स्कूल नहीं होते थे, पर अब ऐसा नहीं है। सब शिक्षित होते जा रहे हैं। शिक्षा से ही हमारा अज्ञान दूर होता है और हम तरक्की करते हैं। जरा सोचो कि जो पेड़ हमें छाया देते हैं, फल-फूल, लकड़ी आदि देते हैं, बंदर और गिलहरी आदि जीवों को शरण देते हैं, घनी छाया देते हैं, धरती की शोभा बढाते हैं, ऐसे दोस्त क्या हमें भूत देंगे?' 'नहीं चाचू, आई एम सॉरी।' 'आओ, अब तुम्हें तुम्हारे लंगड़े भूत से भी मिलवाते हैं। बाहर आओ।' चाचा नूरांश को साइकिल के पास लेकर गए और उससे पूछा,'जब तुम खेतो में साइकिल लेकर जा रहे थे तो याद है मैंने तुमसे कुछ कहा था।' 'आपने कहा था कि साइकिल का स्टैंड थोड़ा ढीला है, ध्यान से चलाना।' 'हां, बिल्कुल ठीक। तो यह देखो! हुआ यह कि जब तुमसे साइकिल गिरी तो उसका स्टैंड ढीला होने की वजह से एक साइड से निकल गया और जमीन से टकराने लगा। तुम साइकिल चला रहे थे तो वह जमीन से बार-बार टकराकर आवाज कर रहा होगा। तुमने साइकिल चलाने की स्पीड बढ़ाई होगी तो जरूर उसकी आवाज और तेज हो गई होगी। और तुम समझते रहे कि कोई लंगड़ा भूत तुम्हारा पीछा कर रहा है। अब तो सारा माजरा समझ गए न।' 'सब समझ में आ गया चाचू। अब मैं हर काम सोच-समझकर करूंगा और अंधविश्वास से हमेशा दूर रहूंगा। दादी आप भी कभी सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास मत कीजिएगा और अगर आप ऐसा करेंगी तो लंगड़े भूत को आपके पीछे लगा दूंगा।' नूरांश के ऐसा कहते ही सब खिलखिलाकर हंस दिए।

बहन ने सात वर्षीय भाई को सिगरेट से दागा

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के नेब सराय में एक सात वर्षीय बच्चे को सिगरेट से जलाने का मामला का मामला सामने आया है। बच्चा नेब सराय स्थित द कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल में दूसरी कक्षा का छात्र है। घटना की शिकायत किए जाने पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। हैरान करने वाली बात यह है कि ऐसा करने वाली उसकी बुआ की बेटी यानी कि बहन ही है। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया है कि, मासूम अपने ननिहाल में रहता है और करीब तीन महीने पहले सैनिक फार्म स्थित अपने पिता के घर गया था। वहां उसकी बुआ की बेटी ने उसके गाल को सिगरेट से जला दिया। इतना ही नहीं, युवती ने बच्चे से इस बात का जिक्र न करने को भी कहा। बीते 25 फरवरी को उसकी मामी उसे वापस ननिहाल ले आई। इसके बाद 27 फरवरी को बच्चे ने ट्यूशन पढ़ाने वाली मैडम को इस बारे में बता दिया। घटना के सामने आने के बाद पुलिस को इस बारे में शिकायत दी गई, जिसके बाद 1 मार्च को पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़ित बच्चे के परिवार में कानूनी विवाद चल रहा है। बच्चे के माता-पिता के बीच यह विवाद फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है। बच्चे के पिता का घर सैनिक फॉर्म में हैं जहां बच्चा रह रहा था। इस घटना के बाद बच्चे के परिजन काफी सदमे में हैं।

गाजियाबाद में कान में लीड लगाना युवक को पड़ा महंगा, ट्रेन की चपेट में आकर हुई मौत

गाजियाबाद। थाना सिहानी गेट इलाके में रेलवे लाइन पार करते वक्त एक युवक को कान में लीड लगा ना उस वक्त महंगा पड़ गया।जब वह कान में मोबाइल की लीड लगाकर गाने सुन रहा था।अचानक ही तेज रफ्तार ट्रेन आई और वह उसकी चपेट में आ गया।जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जिस वक्त ट्रेन आ रही थी तो अन्य लोगों ने भी उसे रेलवे ट्रैक से हटने के लिए आवाज लगाई। लेकिन कान में लीड लगे होने के कारण उसे किसी की आवाज सुनाई नहीं दी और इसी बीच ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार थाना सिहानी गेट इलाके में रेलवे लाइन को एक युवक पार कर रहा था।युवक ने अपने कानों में मोबाइल फोन की लीड लगाई हुई थी। अचानक ही तेज रफ्तार ट्रेन आई और वह उसकी चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आनन-फानन में इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और युवक की पहचान करने में जुट गई।

इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया कि थाना सिहानी गेट पुलिस को इस तरह की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसटीएफ की टीम ने पीएफआई कार्यालय सचिव कमाल केपी को किया गिरफ्तार

नोएडा। यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के कार्यालय सचिव कमाल केपी को केरल से गिरफ्तार कर लिया। कमाल पर हाथरस दंगा भड़काने का आरोप है। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था। कमाल के 4 साथी पहले गिरफ्तार हो चुके हैं। हाथरस हिंसा को भड़काने के मामले में मथुरा टोल से मुजफ्फरनगर निवासी अतीकउर रहमान, रामपुर निवासी आलम,केरल निवासी सिद्दीकी कप्पन और बहराइच निवासी मसूद को गिरफ्तार किया गया था। तब से केरल निवासी कमाल वांछित चल रहा था।मामले की जांच क्योंकि नोएडा यूनिट कर रही थी।नोएडा पुलिस के अपर पुलिस अधीक्षक आरके मिश्रा ने बताया कि कमाल के पी की गिरफ्तारी के प्रयास कई दिन से किए जा रहे थे, नोएडा एसटीएफ ने केरल के मलपुरम से कमाल को गिरफ्तार कर लिया है। कमाल पीएफआई के शीर्षस्थ पदों में से एक पर नियुक्त किया गया था।

एसटीएफ की टीम ने पीएफआई कार्यालय सचिव कमाल केपी को किया गिरफ्तार

नोएडा। दनकौर क्षेत्र में सुपरटेक अप कंट्री में एक युवती ने आठवीं मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि युवती अपने प्रेमी से मिलने पहुंची थी लेकिन वहां पिता के आ जाने के बाद टावर से कूदकर जान दे दी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है।पुलिस का कहना है कि लिखित शिकायत मिलने के बाद जांच की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, मथुरा निवासी एक परिवार विगत काफी वर्षों से ग्रेटर नोएडा में रहकर मजदूरी करता है। परिवार की एक 20 वर्षीय युवती का दनकौर स्थित सुपरटेक अप कंट्री में मजदूरी करने वाले एक युवक से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था परिवार के लोगों को चकमा देकर युवती शुक्रवार को अपने प्रेमी से मिलने पहुंची थी। मामले की जानकारी होने के बाद युवती का पिता भी सुपरटेक अप कंट्री में पहुंच गया। पिता को वहां देखकर युवती वहां बन रहे टावर की आठवीं मंजिल पर चढ़ गई और नीचे छलांग लगा दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने एलएनजेपी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री राजकुमार आनंद ने लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों और ओपीडी का दौरा किया और यहां इलाज करा रहे मरीजों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी के साथ अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर भी पूछा। स्वास्थ्य मंत्री ने स्टाफ को निर्देश दिया कि इलाज के लिए आने वाले लोगों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिले यह सुनिश्चित करें। साथ ही अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था को और बेहतर करने को कहा।

दवा काउंटर पर भीड़भाड़ मैनेज करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था के दिए निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री ने निशुल्क दवा काउंटर पर मरीजों और उनके परिजनों से व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से किए जा रहे दावों की हकीकत जानी। साथ ही दवा काउंटर पर भीड़भाड़ को

मैनेज करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था कराने के निर्देश दिए, ताकि अस्पताल में आए लोगों को दवा लेने के लिए ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के लिए स्वास्थ्य प्राथमिकता का क्षेत्र है। इसलिए लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मरीजों के लिए बनने वाले खाने की गुणवत्ता को खुद चख कर परखा

इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता परखने के लिए खुद वहीं भोजन खाया। उन्होंने कहा कि मरीजों की सेवा भगवान की सेवा है। मरीजों के साथ मधुरता से व्यवहार किया जाए तो आधा रोग तो वैसे ही दूर हो जाता है, उनके साथ सेवाभाव से व्यवहार किया जाना आवश्यक है। अस्पताल में मरीजों को मिलने वाले आहार में क्वालिटी से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

लोगों को बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं देना दिल्ली सरकार का मकसद

आनंद ने कहा कि केजरीवाल सरकार का उद्देश्य दिल्ली के हर सरकारी अस्पताल को केवल प्राइवेट अस्पतालों से बेहतर बनाना भर नहीं है, बल्कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों को पूरे देश में सबसे बेहतरीन अस्पतालों में से एक बनाना भी है। दिल्ली के नागरिक विश्वस्तरीय सुविधाओं के हकदार हैं और हम इसे हकीकत में बदल रहे है। हम दिल्ली के सभी नागरिकों को बेहतरीन और समान स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के सिद्धांत पर काम कर रहे हैं।

दिल्ली के खान मार्केट इलाके में डीटीसी की बस कब्रिस्तान में घुसी

नई दिल्ली। दिल्ली के खान मार्केट इलाके में शनिवार को डीटीसी क्लस्टर की एक बस दीवार तोड़कर कब्रिस्तान में जा घुसी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह करीब 6 बजे

हुई और वाहन के अंदर बस के ड्राइवर और कंडक्टर थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, बस में ड्राइवर और कंडक्टर के अलावा कोई सवार नहीं था। बस को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। अधिकारी ने कहा, संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

दिल्ली सरकार का डीटीसी कर्मचारियों को होली का तोहफा

216 चालकों और कंडक्टर्स को पदोन्नत कर बनाया सहायक यातायात निरीक्षक

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने होली का तोहफा देते हुए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के तहत 216 ड्राइवरों और कंडक्टरों को सहायक यातायात निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया है। इस कदम का उद्देश्य शहर भर में विभिन्न बस मार्गों पर तैनात यातायात निरीक्षकों की संख्या को बढ़ाना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग वैध टिकट और वैध बस पास के साथ यात्रा करें। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, 'मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में कर्मचारियों के कल्याण को अत्यधिक महत्व दिया गया है। मैं सभी 216 चालकों और परिचालकों को सहायक यातायात निरीक्षक के पद पर पदोन्नति पर बधाई देता हूं। मैं चाहता हूं कि इस नई भूमिका में वे नए उत्साह के साथ काम करें और शहर में बस संचालन को और सुचारू रूप से चलाने में मदद करें।

यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक बस यात्री वैध टिकट या बस पास के साथ यात्रा करना सुनिश्चित

करे और जो लोग नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं उनकी इस टीम द्वारा लगातार निगरानी की जाएगी। पिछले कुछ महीनों में, हमने देखा है कि दिल्ली में बसों की औसत दैनिक सवारियों की संख्या 40 लाख तक पहुंच गई है । यह कदम केजरीवाल सरकार की डीटीसी कर्मचारियों के कल्याण को सुनिश्चित करने और दिल्ली के लोगों को बेहतर परिवहन सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।' कुल 193 ड्राइवरों और 23 कंडक्टरों को पदोन्नत किया गया है। अब वे दिल्ली में बस संचालन को सुचारू रूप से चलाने के लिए डीटीसी के साथ मिलकर काम करेंगे। बेड़े में और अधिक बसें शामिल होने के साथ, सरकार सभी यात्रियों के लिए यात्रा को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है।

डेढ एकड़ जमीन पर बसी बस्ती में भीषण आग लगी, 8 झुलसे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सुल्तानपुरी स्थित पुठ कलां इलाके में बीती रात डेढ़ एकड़ में फैली झुग्गी बस्ती में बीती देर रात अचानक आग लग गई। हादसे में आठ लोग मामूली रूप से झुलस गए। वहीं तीन से चार मवेशियों की आग की चपेट में आने से मौत हो गई। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर घंटों की मशक्कत के बाद काबू पाया।

आग पर काबू करने के लिये पुलिस ने रॉबर्ट का भी इस्तेमाल किया। जिसकी सहायता से आग पर जल्दी काबू करने में काफी सहायता मिली। शुक्रवार देर शाम तक कूलिंग काम जारी था। वहीं पुलिस मामला दर्ज कर आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पुलिस अधिकारियों व दमकल विभाग ने बताया कि झुलसे लोगों की पहचान. सूरजमल,कपूर, सागर,पप्पू बबलू,कवर सिंह,राज सिंह,चांद के रूप में हुई है। डॉक्टरों ने सभी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस कंट्रोल रूम को रात 12 बजकर 13 मिनट पर सूचना मिली कि सुल्तानपुरी वाली गली,आगरा पेठा, पुठ कलां कि झुग्गीबस्ती में आग लगी है। पुलिस जब मौके पर पहुंची, आसपास के लोगों ने छत पर से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। आग में कई सिलेंडर

ब्लास्टर होने पर आग काफी तेजी से फैली। लोग अपनी जान बचाने के लिए एक ही छोटे और कम चौड़े रास्ते से भागकर अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। दमकल की 21 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर तड़के चार बजकर 19 मिनट पर आग पर पूरी तरह से काबू पाया। डिवीजन फायर ऑफिसर ए.के. जेसवाल ने बताया कि आने जाने का एक ही रास्ता होने के कारण गाडियों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। आग पर चारों तरफ से पानी डालकर आग बुझाई गई। अंदर नहीं जाने पर रॉबर्ट का भी सहारा लेना पड़ा था। सर्च ऑपरेशन में काफी जला हुआ सामान बरामद हुआ। जिसमें घरेलू सामान ज्यादा है। आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि 2016 में भी यहीं पर आग लगी थी। इस जमीन पर कबाड़ आदि का काम करने वाले कारोबारियों ने इनको जमीन किराये पर दिलवा रखी है। कुछ परिवार अपना ही काम कबाड़ का काम करते हैं।

महिलाओं को सशक्तिकरण की ज़रूरत नहीं, उनके भीतर ही दैवीय शक्ति है: साध्वी भगवती

नई दिल्ली। महिलाओं को सशक्तिकरण की ज़रूरत नहीं है। हमारे भीतर दैवीय शक्ति है, हमें सशक्तिकरण, समानता आदि किसी से मांगने की ज़रूरत नहीं है । हमें आत्म परिचय की ज़रूरत है। इस पहचान को शरीर, शरीर का आकार, त्वचा के रंग से नहीं बल्कि अपने मन और हृदय की अंतर्यात्रा करके पहचानना है। ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन की साध्वी भगवती सरस्वती ने आज यहां इस आशय के विचार व्यक्त किए। वह उद्यमी और उद्योगपति महिलाओं की संस्था फिक्की फ्लो (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के फिक्की लेड़ीज़ ऑर्गेनाईज़ेशन) को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा

कि हमारी दादी और मां के ज़माने में महिलाओं की पहचान के पैमाने अलग थे जबकि अब हमारी पीढ़ी की महिलाएं उनकी बेटियां और नातिनें और विशेषकर महानगरों और अति उच्च वर्ग में अपनी पहचान शरीर आकार रंग, कपड़ों, सौंदर्य और सफलता और अन्य बाहरी तत्वों से करने लगी हैं । जबकि हमारी पहचान बाहरी नहीं भीतरी तत्वों से ज्यादा है, इसलिए आत्म पहचान ज़रूरी है । साध्वी भगवती दिल्ली में फिक्की फ्लो के प्रेरणादायी महिलाओं की अनससुनी कहानियां कार्यक्रम में अपने जीवन के उन पहलुओं के बारे में बता रही थीं, जो ज्यादातर लोगों को नहीं मालूम है। साध्वी भगवती ने बताया कि कैसे एक समृद्ध अमेरिकी यहूदी परिवार की उच्च शिक्षित विवाहित युवती भारत यात्रा पर आयी और कैसे ऋषिकेश में गंगा जी के दर्शन करने के बाद उनका पूरा जीवन बदल गया। गंगा जी में डुबकी लगाने के बाद उनको अपने भीतर दैवीय शक्ति का संचार अनुभव हुआ और उनको लगा कि उनका जन्म यहीं रहने के लिए हुआ है। इसके बाद चमत्कार के बाद चमत्कार होते गए। चमत्कार भगवान की कृपा से होते हैं। पहले साधना फिर वैराग्य और फिर संन्यास। उन्होंने कहा कि ये सब अंतर्यात्रा के कारण हैं।

चार पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला थाने में तैनात चार पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर लापरवाही बरतने के मामले में लाईन हाजिर कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दे दिये गए हैं। लाईन हाजिर पुलिस वालों में एक एएसआई भी शामिल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ समय से पुलिस वालों के खिलाफ पब्लिक से लिखित में शिकायतें मिल रही थी। जिनको इसको लेकर अवगत भी कराया गया था। लेकिन मामले को गंभीरता से नहीं लेने और शिकायतकर्ताओं को बार बार परेशानी होने के बाद चारों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनको लाईन हाजिर कर दिया गया है।

सात एमजीडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में राइजिंग मेन बिछाने के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री कैलाश गहलोत ने सोनिया विहार में सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण (आई एंड एफसी) तालाब से सात एमजीडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तक 700 मिमी व्यास वाली राइजिंग मेन बिछाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

जल मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, यह निर्णय यमुना नदी को स्वच्छ बनाकर दिल्ली के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में काफी मददगार साबित होगा। यह जलीय जीवन और पर्यावरण के संरक्षण में भी योगदान देगा।

गहलोत ने कहा कि सोनिया विहार में सात एमजीडी एसटीपी के निर्माण का कार्य प्रगति पर है और सितंबर 2023 में इसके पूरा होने की

संभावना है। सोनिया विहार ग्रुप ऑफ कॉलोनियों (जीओसी) में सीवर लाइन बिछाने का काम निविदा चरण में है और उम्मीद है कि सीवर लाइन डालने का काम 15 माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इसलिए सीवर लाइन बिछाने का काम पूरा होने तक एसटीपी को चालू करने के लिए और यमुना नदी के प्रदूषण को कम करने के लिए आई एंड एफसी तालाब से अनुपचारित पानी को सोनिया विहार एसटीपी में ट्रैप करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

गहलोत ने विस्तृत चर्चा के बाद केजरीवाल सरकार की यमुना की सफाई की प्राथमिकता को देखते हुए इस योजना को मंजूरी दी है ।

3.5 करोड़ रुपये का अनुमान मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।जल मंत्री कैलाश गहलोत ने निर्माणाधीन सोनिया विहार एसटीपी की कार्य-प्रगति की भी समीक्षा की। इस वर्ष की तीसरी तिमाही तक इसके पूरा होने की उम्मीद है।

नोएडा में पॉलिसी लोन दिलाने के नाम पर लोगों के साथ ठगी, गैंग लीडर सलोनी जैन समेत 6 गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-1 नोएडा पुलिस ने लेप्स हुई पॉलिसी को कैन्सिल कराकर ब्याज सहित पूरा पैसा दिलाने के नाम पर व पॉलिसी पर सस्ती ब्याज दरों पर लोन दिलाने के नाम पर लोगों के साथ ठगी करने वाले मुख्य अभियुक्ता 1.सलोनी जैन 2.दिवाकर शर्मा 3.नजफ मेंहदी, 4.विनोद शर्मा, 5.दीपक झा, 6.विपिन कुमार को कम्पनी ए-7, प्रथम तल, सेक्टर-10, नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से 1 स्मार्ट फोन, 5 की-पैड फोन व कालिंग डाटा बरामद किया गया है। आरोपियों में सलोनी जैन इस गैंग के मुख्य

सरगना के रूप में काम कर रही थी। सलोनी जैन पहले एक इंश्योरेंस कंपनी में काम करती थी। उसी कंपनी से वह लोगों के नाम और उनके पॉलिसी की डेटाशीट लेकर इस गैंग के साथ धोखाधड़ी करती थी। अभियुक्तों द्वारा जनता के व्यक्तियों को कॉल करके उनकी लेप्स हुई पॉलिसी को केन्सिल कराकर ब्याज सहित पूरा पैसा दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी कर उनसे फाईल चार्ज व अन्य खर्चे के नाम पर उनसे पैसे ले लेते थे व पॉलिसी पर सस्ती ब्याज दरो पर लोन दिलाने के नाम पर भी लोगो से पैसा हड़प लेते थे।अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि मुख्य अभियुक्ता सलोनी जैन पूर्व में इन्स्योरेन्स कम्पनी में नौकरी करती थी। जहां से यह पॉलिसी धारको का डाटा ले आयी और उसी लिस्ट में से पॉलिसी धारको को कॉल करके धोखाधड़ी करते हैं।

नोएडा में होली के बाद सक्रिय होगी मलेरिया विभाग की टीम, करेगी निरीक्षण

नोएडा। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी वैसे-वैसे मच्छरों भी पनपेंगे। जिला मलेरिया विभाग की सलाह है कि अभी से मच्छरों को पनपने से रोकेंगे तब जाकर मच्छर जनित बीमारियों पर काबू पाया जा सकेगा। जिला मलेरिया अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया- विभाग होली के बाद एक्शन मोड में आ जाएगा। वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल एक्ट 2015 के क्रियान्वयन के लिए विभाग की टीम जगह-जगह निरीक्षण करेंगी। जिन परिसरों में मच्छरों का प्रजनन (लार्वा), अनावश्यक जलभराव पाया जाएगा तो संबंधित को नोटिस जारी किया जाएगा। और यदि स्थिति की पुनरावृत्ति होती है तो अर्थदंड भी लगाया जाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया- मच्छरों की रोकथाम के लिए विभाग तो प्रयास कर ही रहा है, इसमें लोगों का भी सहयोग जरूरी है। उन्होंने अपील की है कि अभी से यदि मच्छरों के पनपने पर काबू किया जाए तो काफी हद तक मच्छर जनित बीमारियों- डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि पर काबू पाया जा सकेगा। उन्होंने बताया- वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल एक्ट 2015 के क्रियान्वयन के लिए विभाग की टीम सरकारी- निजी कार्यालयों, चिकित्सालयों, स्कूलों, आवासीय सोसायटी का होली के बाद निरीक्षण शुरू कर देंगी। इस दौरान लोगों को मच्छरों के प्रजनन रोकने के लिए जागरूक किया जाएगा। मच्छरों के प्रजनन स्थल, अनावश्यक जलभराव पाये जाने की स्थिति में संबंधित को नोटिस जारी किया जाएगा। यदि नोटिस के बाद भी दोबारा वही हालत मिलती है तो

निर्धारित दरों पर अर्थदंड भी लगाया जाएगा। विभाग की ओर से प्रति साइट अर्थ दंड निर्धारित है। जिला मलेरिया अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया- एडीज इजिप्टी नामक मच्छर के काटने से डेंगू फैलता है। एडीज इजिप्टी रुके हुए और बहुत साफ पानी में पैदा होता है। मादा मच्छर केवल दस मिली लीटर रुके हुए साफ पानी में अंडे दे सकती है। इसलिए इस बात का भी ध्यान रखना जरूरी है कि घर में किसी भी पात्र यहां तक कि कटोरी में भी कई दिन तक पानी इकट्ठा न रहने पाए। उन्होंने बताया अगस्त माह से मुख्य रूप से डेंगू का संचरण काल शुरू हो जाता है। लेकिन गर्मी शुरू होने और कूलर एसी चलने पर डेंगू मच्छरों के पनपने की आशंका पैदा हो जाती है। इस बार गर्मी जल्दी शुरू हो गयी है। गड्ढों और कूलर आदि में जमा साफ व रुके हुए पानी में ही डेंगू फैलाने वाला मच्छर पनपता है। यह मच्छर दिन में काटता है। डेंगू से बचाव के लिए बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने बताया डेंगू का लार्वा कई महीने तक बिना पानी के भी जीवित रह सकता है। गर्मी के अंत में यदि कूलर को रेगमाल से बिना साफ किये या रंग रोगन किये बिना रख दिया है तो अगली बार इस्तेमाल करने पर डेंगू के लार्वा के जीवित होने की संभावना बनी रहती है। पानी के सम्पर्क में आते ही यह पुनः सक्रिय हो जाता है। मच्छर पनपने का कूलर भी एक बड़ा स्रोत है। डेंगू से बचाव के लिए ध्यान रखने वाली कुछ खास बात 1. कूलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी के बर्तन, फ्रिज की ट्रे, फूलदान, नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन, टायर आदि में पानी को जमा न होने दें। 2. पानी से भरे हुए बर्तनों व टंकियों आदि को हमेशा ढक कर ही रखें। 3. कुछ समय के अंतराल पर कूलर को खाली करके अच्छी तरह से सुखा लें और उसके बाद ही पुनः प्रयोग में लाएं। 4. यह मच्छर दिन में काटता है इसलिए दिन में भी ऐसे कपड़े पहनें जो शरीर को पूरी तरह ढकें और विशेषकर बच्चों का अत्याधिक ध्यान रखें। 5. खिड़कियों पर मच्छर रोधी जाली लगाएं और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग अवश्य करें।

दिल्ली के चांदनी चौक से चोरों ने बैग से उड़ाए 40 लाख, पुलिस ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली स्थित चांदनी चौक इलाके में चोरों ने 40 लाख रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया है। पुलिस ने शनिवार को घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चांदनी चौक इलाके में एक व्यक्ति से कथित तौर पर करीब 40 लाख रुपये की नकदी चोरी हो गई।अधिकारियों ने कहा कि शिकायतकर्ता, 39 वर्षीय उमेश कुमार जो कि हरियाणा के सोनीपत निवासी राहुल के यहां काम करता है। उसने शुक्रवार को चांदनी चौक में एक व्यक्ति से एक निर्माण कार्य के लिए पैसे इकट्ठे किए और उन्हें नॉर्थ एवेन्यू में राहुल को देने जा रहा था। हालांकि, जब उमेश लाल किला चौक पहुंचा तो उसको बैग काफी हल्का महसूस हुआ और इसके बाद कुछ संदिग्ध लगा। चेक करने पर उसने पाया कि बैग में रखे 40 लाख रुपये नहीं हैं।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

इसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई कि कुछ अज्ञात लोगों ने उनके बैग से नकदी चुरा ली है। उनकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कहा, हम मामले की आगे जांच कर रहे हैं।

सचिन ने साझा की तस्वीर, कुंबले और युवराज के साथ नजर आये

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सोशल मीडिया के जरिये अपने प्रशंसकों से जुड़े रहते हैं। अब सचिन ने गोवा की एक तस्वीर साझा की है। इसमें वह दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले और आक्रामक ऑलराउंडर युवराज सिंह के साथ नजर आ रहे हैं। कुंबले इस तस्वीर में सचिन और युवराज के साथ सेल्फी लेते हुए भी दिख रहे हैं। सचिन ने इस तस्वीर के साथ लिखा, गोवा में हमारा दिल चाहता है मूमेंट, आपको क्या लगता है कि इनमें से आकाश, समीर और सिड कौन है? गौरतलब है कि साल 2001 में अभिनेता आमिर खान, सैफ अली खान और अक्षय खन्ना की फिल्म दिल चाहता है रिलीज हुई थी। वह फिल्म पूरी तरह से दोस्ती के ऊपर बनाई गई थी। उसी के पात्र थे आकाश, समीर और सिड। सचिन, कुंबले और युवराज की इस सेल्फी को सोशल मीडिया में काफी पसंद किया जा रहा है। इसपर 14 घंटे में ही 8 लाख से ज्यादा लाइक मिले हैं। प्रशंसकों के साथ ही क्रिकेटरों ने भी इस पर जमकर कॉमेंट किये हैं। सचिन, कुंबले और युवराज भारतीय क्रिकेट के ऐसे खिलाड़ी रहे है जिन्होंने अपने करियर के दौरान टीम को कई मुकाबले जिताए हैं। तेंदुलकर और युवराज साल 2011 की एकदिवसीय विश्वकप विजेता टीम में भी शामिल थे।

आईसीसी मापदंड पर खरी नहीं उतर रहीं भारतीय पिचें

पिछले चार बार से औसत से कम स्तर की पायीं गयीं

मुम्बई ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे मैच के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के निशाने पर भारतीय पिचें हैं। आईसीसी ने इंदौर की पिच को खराब बताया है। इससे पहले भी भारत में खेले गए पिछले चार मुकाबलों की करें तो आईसीसी ने नागपुर और दिल्ली की पिच को औसत जबकि बेंगलुरु की पिच को औसत से नीचे और इंदौर की पिच को खराब बताया। ऑस्ट्रेलिया से पहले भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैच की टेस्ट सीरीज खेली थी उसमें भी पिच पर सवाल उठे थे। उस सीरीज का अंतिम मैच बेंगलुरु में खेला गया था। यह टेस्ट भी तीन दिन के अंदर ही समाप्त को गया था। इंदौर टेस्ट के बाद एक और आंकड़ा सामने निकलकर आया है। भारत की यह टेस्ट क्रिकेट में पिछले एक दशक में घर में तीसरी हार है और हैरानी की बात यह है कि इनमें से जो दो टेस्ट भारत हारा है उस मैच की पिचों को आईसीसी ने खराब करार दिया। इसके अलावा बात भारत में खेले गए आखिरी 10 टेस्ट मैचों की करें तो केवल एक ही मैच 5 दिन तक चला है। वहीं 6 मैच तीन दिन के अंदर समाप्त हुए और दो मैच चार दिन में ही समाप्त हो गये जबकि एक मैच दो दिन में ही समाप्त हो गया था।

इंदौर की पिच को तीन नकारात्मक अंक दिये

आईसीसी ने इंदौर के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम की पिच को खराब बताते हुए तीन नकारात्मक अंक दिये हैं। आईसीसी मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने मैच अधिकारियों की चिंताओं को व्यक्त करते हुए और दोनों टीमों के कप्तानों के साथ परामर्श के बाद उन्होंने आईसीसी को अपनी रिपोर्ट सौंपी। उन मूल्यांकन के बाद आयोजन स्थल को तीन नकारात्मक अंक दिए गए हैं। इस मैच की रिपोर्ट बीसीसीआई को भेज दी गई है। बोर्ड इस मामले में 14 दिनों के अंदर अपील कर सकता है

गत विजेता डीएफए धार की टीम सीनियर महिला राज्य फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेगी

सरदारपुर और धार की प्रतिभावान खिलाड़ी खिताब को बरकरार रखने के लिए तैयार है।

(एजेंसी)

धार (निप्र)डीएफए धार महिला टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए बालाघाट (म.प्र.)में मार्च के प्रथम सप्ताह में शुरू होने जा रही राज्य सीनियर महिला फुटबॉल स्पर्धा में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। डीएफए सचिव सुभाष डेविड ने बताया की डीएफए धार टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई। डीएफए धार का पहला मुकाबला डीएफए खरगोन से होगा। धार ,खरगोन, जबलपुर, हरदा, छिंदवाड़ा, बालाघाट ,खरगोन, सिंगरौली सहित प्रदेश की 16 श्रेष्ठ टीमें राज्य स्पर्धा में भाग लेगी इस राज्य स्पर्धा के माध्यम से मध्यप्रदेश सीनियर महिला फुटबॉल टीम का चयन किया जाएगा ।मध्यप्रदेश टीम आगामी 26 मार्च से छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेगी।

डीएफए कार्यकारी अध्यक्ष श्री शमशेर सिंह यादव द्वारा सरदारपुर और धार की प्रतिभावान फुटबॉल खिलाड़ियों से सुसज्जित 16 सदस्य डीएफए धार टीम की घोषणा की गई। चीफ कोच शैलेंद्र पाल ,कोच ज्योति परमार, चीफ मैनेजर सुनीता भाबर और मैनेजर लखन भाटिया को बनाया गया है।

डीएफए टीम इस प्रकार है - गोलकीपर - दीपिका चौहान और कविता नाथ । रक्षा पंक्ति - चंचल खराड़ी ,पायल चौहान ,संस्कृति यादव, स्नेहा खराड़ी और राधिका नरेंद्र। मध्य पंक्ति - सुनीता भाबर, नेहा मकवाना, प्रिया सोलंकी, कंचन चतुर्वेदी, रक्षा खराड़ी। आक्रमण पंक्ति - किरण श्रवण, आरती गणपत टीना चौहान, और बुलबुल श्रवण।

राज्य फुटबॉल स्पर्धा में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य प्रताप सिंह, वरिष्ठ प्रशिक्षक शमशेर सिंह यादव, डीएफए सचिव सुभाष डेविड, फुटबॉल प्रशिक्षक राजीव डेविड, संतोष पुरोहित , शैलेंद्र पाल, संतोष राव, सुंदर रायकवार, मनोज चौहान, उत्कर्ष डेविड, लेखराज मकवाना, मोहित यादव, आशीष अमिलियार ,लखन भाटिया, राहुल पाल , सुश्री ज्योति चौहान, श्रीमती शलाका हिवाले डेविड, श्रीमती कल्पना यादव, श्रीमती हंसारानी डेविड, श्रीमती अमृता पांडे , सुश्री लक्ष्मी खड़ूसकर तथा ईशा मकवाना ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर की पिच को खराब दिये जाने से नाराज गावस्कर ने गाबा का उदाहरण दिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईसीसी के इंदौर की पिच को खराब करार दिये जाने पर नाराजगी जताय है। गावस्कर ने इस मामले में ऑस्ट्रेलिय के गाबा की पिच का उदाहरण दिया और कहा कि कि वहां दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट दो दिनों में ही खत्म हो गया था। गावस्कर ने कहा, एक बात मैं जानना चाहूंगा, नवंबर में ब्रिस्बेन गाबा में यह टेस्ट मैच था, जहां मैच 2 दिन में ही समाप्त हो गया। उस पिच को कितने नकारात्मक अंक मिले और वहां मैच रेफरी कौन था यह मैं जानना चाहता हूं। इससे पहले इंदौर की पिच को खराब रेटिंग देते हुए आईसीसी मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने दावा किया कि यह शुरू से ही स्पिनरों का पक्ष ले रही थी और यह बल्ले और गेंद के बीच संतुलित प्रतिस्पर्धा प्रदान नहीं करती। ब्रॉड ने कहा, पिच बहुत सूखी थी, शुरू से ही स्पिनरों के पक्ष में थी, बल्ले और गेंद के बीच यह संतुलन प्रदान नहीं करती थी।

अतिआत्मविश्वास बना भारतीय टीम की हार का कारण : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि तीसरे टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम की हार का कारण अति आत्मविश्वास रहा। मांजरेकर के अनुसार पहले दो मैचों में जीत से भारतीय टीम को लगने लगा था कि वह आसानी से जीत जाएगी। वहीं तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसा दिया। मांजरेकर ने कहा कि भारतीय टीम ने पिच का ठीक से आंकलन करने से पहले खेल पर थोड़ा हावी होने की कोशिश की, इससे टीम लड़खड़ा गयी। उन्होंने कहा, मुझे यह लगा कि भारतीय टीम अभी तक श्रृंखला में अपने दबदबे को लेकर आश्वस्त थी। इसी लिए भारतीय टीम ने टॉस जीतने के साथ ही बल्लेबाजी का फैसला कर लिया। भारतीय बल्लेबाजों ने मैदान पर उतरने के बाद पिच का आंकलन किये बिना ही शॉट लगाने शुरु कर दिये। ये शॉट्स इस भरोसे पर लगाये गये थे कि हमें पिच की जानकारी है। यहीं टीम से गलती हो गयी। मांजरेकर ने आर अश्विन और उमेश यादव की ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में मिलकर गेंदबाजी करने पर कहा, यह एक शानदार प्रयोग था। मुझे लगा कि जडेजा के साथ अश्विन का थोड़ा अतिरिक्त जुड़ाव था, उन्हें एकमात्र गेंदबाज के रूप में देखते हुए जो आपको विकेट दिलाने वाला था और एक बार जब उन्होंने अपना ध्यान अश्विन और यहां तक कि उमेश पर लगाया, तो खेल पूरी तरह से बदल गया।

अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम को तलाशना होगा स्मिथ की रणनीति का जवाब

6 साल पहले भी स्मिथ की कप्तानी में जीती थी ऑस्ट्रेलियाई टीम

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम अब बॉर्डर गावस्कर सीरीज के चौथे और अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सीरीज पर कब्जा करने के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए भी क्वालीफाई करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम की राह हालांकि आसान नजर नहीं आती है क्योंकि मेहमान टीम की कप्तानी अब स्टीव स्मिथ के पास है। उसी स्मिथ के पास जिसकी चालें भारतीय टीम समझ नहीं पाती है। पहले दो टेस्ट में मिली हार के बाद जैसे ही स्मिथ ने टीम की कमान संभाली सब कुछ बदल गया। कंगारुओं ने तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में वापसी का प्रयास किया है। इस खिलाड़ी ने 6 साल पहले ही भारत को झटका दिया था। स्मिथ की कप्तानी में साल 2016-17 बॉर्डर गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम जीती थी। गत 46 टेस्ट में भारतीय टीम को कुल मिलाकर तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इसमें से एक मुकाबला इंग्लैंड जबकि दो मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं और दोनो ही बार टीम की कपनी स्मिथ के पास थी। इस हार के बाद यह साफ है कि स्मिथ की रणनीति भारतीय टीम समझ नहीं पाती है। इस सबके बीच ही 9 मार्च से होने वाला अंतिम टेस्ट अब और भी रोमांचक रहेगा क्योंकि दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी।

यशस्वी ने ईरानी कप में बनाया नया रिकार्ड

मुम्बई ।

युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने ईरानी कप 2023 के खिताबी मुकाबले में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस टूर्नामेंट में शेष भारत की ओर से उतरे यशस्वी ने फाइनल मुकाबले के चौथे दिन ही एक तेज शतक लगाया। इस बल्लेबाज ने ये शतक 103 गेंदों में ही लगा दिया। इसी के साथ ही उन्होंने ईरानी कप में नया रिकार्ड अपने नाम किया है। यशस्वी ईरानी कप फाइनल में दोहरा शतक और फिर शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। यह उपलब्धि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर को भी नहीं मिली थी। जायसवाल ने पहली पारी में 259 गेंदों में 213 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद इस बल्लेबाज ने दूसरी पारी में भी शतक लगा दिया। यह उनका प्रथम श्रेणी क्रिकेट का 8वां शतक है। इसी के साथ जायसवाल ईरानी कप के फाइनल में दोहरे शतक के साथ एक शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। उनसे पहले शिखर धवन के नाम फाइनल में दोनों पारियों में शतक का रिकार्ड था पर वह दोहरा शतक नहीं लगा पाये थे। यशस्वी के शानदार प्रदर्शन से शेष भारत ने पहली पारी में 484 रन बनाए थे, जिसमें अभिमन्यू ईश्वरन के 154 रन भी शामिल रहे। वहीं मध्य प्रदेश की टीम अपनी पहली पारी में 294 रन ही बना पायी। इस प्रकार शेष भारत ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। यशस्वी ईरानी कप में दोहरा शतक जमाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 21 साल और 64 दिन की उम्र में यह मुकाम हासिल किया है। वहीं धवन ने यह कारनामा साल 2011 के संस्करण में राजस्थान के खिलाफ जयपुर में किया था। तब उन्होंने पहली पारी में 177 और दूसरी पारी में उन्होंने 155 रन बनाए थे।

गत विजेता डीएफए धार की टीम सीनियर महिला राज्य फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेगी

सरदारपुर और धार की प्रतिभावान खिलाड़ी खिताब को बरकरार रखने के लिए तैयार है।

धार (निप्र)डीएफए धार महिला टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए बालाघाट (म.प्र.)में मार्च के प्रथम सप्ताह में शुरू होने जा रही राज्य सीनियर महिला फुटबॉल स्पर्धा में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। डीएफए सचिव सुभाष डेविड ने बताया की डीएफए धार टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई। डीएफए धार का पहला मुकाबला डीएफए खरगोन से होगा। धार ,खरगोन, जबलपुर, हरदा, छिंदवाड़ा, बालाघाट ,खरगोन, सिंगरौली सहित प्रदेश की 16 श्रेष्ठ टीमें राज्य स्पर्धा में भाग लेगी इस राज्य स्पर्धा के माध्यम से मध्यप्रदेश सीनियर महिला फुटबॉल टीम का चयन किया जाएगा ।मध्यप्रदेश टीम आगामी 26 मार्च से छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेगी। डीएफए कार्यकारी अध्यक्ष श्री शमशेर सिंह यादव द्वारा सरदारपुर और धार की प्रतिभावान फुटबॉल खिलाड़ियों से सुसज्जित 16 सदस्य डीएफए धार टीम की घोषणा की गई। चीफ कोच शैलेंद्र पाल ,कोच ज्योति परमार, चीफ मैनेजर सुनीता भाबर और मैनेजर लखन भाटिया को बनाया गया है।

डीएफए टीम इस प्रकार है - गोलकीपर - दीपिका चौहान और कविता नाथ । रक्षा पंक्ति - चंचल खराड़ी ,पायल चौहान ,संस्कृति यादव, स्नेहा खराड़ी और राधिका नरेंद्र। मध्य पंक्ति - सुनीता भाबर, नेहा मकवाना, प्रिया सोलंकी, कंचन चतुर्वेदी, रक्षा खराड़ी। आक्रमण पंक्ति - किरण श्रवण, आरती गणपत टीना चौहान, और बुलबुल श्रवण।

राज्य फुटबॉल स्पर्धा में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य प्रताप सिंह, वरिष्ठ प्रशिक्षक शमशेर सिंह यादव, डीएफए सचिव सुभाष डेविड, फुटबॉल प्रशिक्षक राजीव डेविड, संतोष पुरोहित , शैलेंद्र पाल, संतोष राव, सुंदर रायकवार, मनोज चौहान, उत्कर्ष डेविड, लेखराज मकवाना, मोहित यादव, आशीष अमिलियार ,लखन भाटिया, राहुल पाल , सुश्री ज्योति चौहान, श्रीमती शलाका हिवाले डेविड, श्रीमती कल्पना यादव, श्रीमती हंसारानी डेविड, श्रीमती अमृता पांडे , सुश्री लक्ष्मी खड़ूसकर तथा ईशा मकवाना ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

रोहित ने खोया धोनी के खास क्लब में शामिल होने का अवसर

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट में मिली हार के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के एक खास क्लब में प्रवेश का अवसर गंवा दिया। पहले दो मैच जीतकर रोहित के पास धोनी की तरह ही क्लीन स्वीप का अच्छा अवसर था। पहले दो मैचों के बाद लग रहा था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम सीरीज में 4-0 से हारेगी पर तीसरे टेस्ट के परिणाम ने इस पर पानी फेर दिया। गौरतलब है कि धोनी एकमात्र ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने घरेलू धरती पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्लीन स्वीप किया था। उनसे पहले यह उपलब्धि किसी अन्य कप्तान ने हासिल नहीं की थी। धोनी ने यह रिकार्ड साल 2013 में रचा था। भारत दौरे पर आई कंगारू टीम को भारत ने उस समय 4-0 से हराया था। साल 2017 में जब इससे पहले स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया भारत दौरे पर आया था तो भारत ने 2-1 से सीरीज जीती थी। कंगारुओं ने सीरीज का पहला ही मैच 333 रनों के अंतर से जीतकर तहलका मचा दिया था, मगर इसके बाद विराट की कप्तानी में भारतीय टीम ने जोरदार वापसी करते हुए अगले तीन में से दो मैच जीते थे। इस सीरीज का एक मैच ड्रॉ रहा था। वहीं रोहित के पास सीरीज के पहले दो मैच जीतकर धोनी के इस खास क्लब में शामिल होने का शानदार अवसर था, मगर वह नाकाम रहे। अब भारतीय कप्तान की नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट में टीम इंडिया को जीत दिलाकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने पर रहेंगी।

जिस मैदान पर घास काटते थे लायन उसी से शुरु हुआ था क्रिकेटर सफर

मुम्बई ।

भारत दौरे में तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लायन की स्पिन का भारतीय बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। लायन के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलियाई टीम को तीसरे दिन ही टेस्ट में जीत मिली। लायन ने अपनी दूसरी पारी में कुल मिलाकर आठ विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी को ढ़हा दिया। लायन आज ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर हैं पर उनका यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। वह कभी एडिलेड ओवल मैदान पर घास काटते थे। लायन ने एक बार कहा था, मैदान की घास काटने के लिए मैं साढ़े पांच बजे उठ जाता था पर घास काटने वाली बात को लेकर मैं करियर के दौरान कभी चिंतित नहीं रहा। बाद में लायन को उसी एडिलेड मैदान पर जनवरी 2012 में टेस्ट मैच खेलने का अवसर मिला था। इस इस गेंदबाज ने कुल पांच विकेट लिए थे। लायन को यहां तक पहुंचाने में रेडबैक्स के कोच डैरेन बेरी की अहम भूमिका रही थी। रेडबैक्स की टीम को एक अभ्यास मुकाबले के लिए गेंदबाज की कमी महसूस हो रही थी। बेरी को जब पता चला कि लायन जूनियर लेवल पर अच्छे गेंदबाज रह चुके हैं तो उन्होंने उस मैच के लिए लायन को अपनी टीम में जगह दी। लायन ने अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया और वह कुछ समय के अंदर ही बेहतर गेंदबाज बन गये। लायन ने साल 2011 में श्रीलंका के खिलाफ गाले टेस्ट से अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उसे बाद से ही लायन ने अबतक 118 टेस्ट मैचों में 31.11 के औसल से 479 विकेट लिए हैं हालांकि वह एकदिवसीय में अधिक सफल नहीं रहे और कुल 30 विकेट ही ले पाए हैं.

मेसी को मिली धमकी

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार फुटबॉलर लियोनन मेसी को धमकी मिली है। मेसी को ये धमकी रोसारियो में एक सुपरमार्केट पर हमला करने वाले बंदूकधारियों से दी। इसमे कहा गया कि हम आपका इंतजार कर रहे हैं। यहां के लावेल जिले में स्थित फूड स्टोर 'यूनिको' मेसी की पत्नी एंटोनेला रोक्कुजो के परिवार का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह हमलावारों ने स्टोर के शटर और दरवाजे पर फायरिंग की। वहीं पुलिस के अनुसार इस मामले में दो व्यक्तियों को मोटरसाइकिल पर भागते देखा गया है। उन्होंने ही मेसी के लिए धमकी भरे संदेश लिखे थे। गोलीबारी से स्टोर काफी क्षतग्रस्त हुआ है। बंदूकधारियों के संदेश में लिखा था, मेसी, हम आपका इंतजार कर रहे हैं। जेवकिन एक ड्रग डीलर है। वह आपकी देखभाल नहीं करने वाला है। इन संदेशों में रोसारियो शहर के मेयर पाब्लो जेवकिन पर भी निशाना साधा गया है। रोसारियो ब्यूनस आयर्स से 300 किलोमीटर उत्तर में अर्जेंटीना के सांता फे के केंद्रीय प्रांत का सबसे बड़ा शहर है। अर्जेंटीना की विश्वकप विजेता टीम के कप्तान मेसी का हाल ही में फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी 2022 का खिताब मिला था। उन्होंने गत वर्ष कतर में आयोजित फीफा विश्व कप में अपनी देश को तीसरा बार जीत दिलायी थी।

नई रोजगार नीति पर झारखंड विधानसभा में हंगामा, दो बार स्थगित हुई सदन की कार्यवाही

रांची, 04 मार्च (एजेन्सी)। झारखंड में विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा विधायकों ने नई रोजगार नीति पर जबरदस्त हंगामा किया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही को दो बार स्थगित करना पड़ा। भाजपा विधायकों का आरोप था कि नई रोजगार नीति का मसौदा सदन को विश्वास में लिए बिना ही पारित कर दिया गया। बता दें, इससे पहले नई रोजगार नीति को विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया था। हालांकि, झारखंड हाईकोर्ट ने इस इसे रद्द कर दिया था।

नई रोजगार नीति पर भाजपा विधायकों के विरोध के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, भाजपा विधायकों विरोध दर्ज कराते हुए अध्यक्ष के वेल में पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। इसके बाद सदन की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दिया गया। इसके बाद जैसे ही दोबारा कार्यवाही शुरू हुई, भाजपा विधायकों ने फिर से हंगामा किया, जिसके बाद सदन को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया। दूसरे हाफ में भी विधानसभा में भाजपा विधायकों का हंगामा जारी रहा। इस कारण करीब 40 मिनट सदन चलने के बाद उसे 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। झामुमो के वरिष्ठ नेता लोबिन हेम्ब्रोम ने कहा कि कैबिनेट द्वारा नई भर्ती नीति को कथित तौर पर मंजूरी दिए जाने के बाद राज्य में भ्रम की स्थिति है। अगर सरकार ने कैबिनेट में कोई रोजगार नीति पारित की है, तो उसे विधानसभा में घोषित किया जाना चाहिए। यदि नहीं, तो इसे सदन की अवमानना माना जाना चाहिए।

केसर के बाद अब सिक्किम में उगेंगे जम्मू कश्मीर के सेब

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च । सिक्किम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर से लाए गए सेब के पौधों को राजभवन परिसर में लगाया। केसर के सफल परीक्षण के पश्चात अब सेब की खेती की सम्भावनाओं को देखते हुए यह प्रयोग के तौर पर लगाया गया है।

इसी सन्दर्भ में, राजभवन सभागार में शाम को आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल एवं सिक्किम सरकार के कृषि एवं बागवानी मंत्री लोकनाथ शर्मा ने सेब के पौधों को कृषि एवं बागवानी विभाग के अधिकारियों को हस्तांतरित किया। इस पर अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सेब की खेती से सिक्किम एवं जम्मू-कश्मीर के संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी एवं अनुसंधान, रोजगार आदि के नए आयामों के द्वार भी खुलेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि सिक्किम की जैविक मिट्टी और अनुकूल जलवायु में सेब की उन्नत खेती अवश्य ही राज्य को विश्व में चिन्हित करेगी। आज की इस बैठक में सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलपति की भी उपस्थिति रही।

अदालत ने सिसोदिया की सीबीआई हिरासत दो दिन के लिए बढ़ाई

राजेश अलख

नई दिल्ली, 04 मार्च । यहां की एक अदालत ने शनिवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की सीबीआई हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ा दी, जिन्हें एजेंसी ने रद्द कर दी गई आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया था।

सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एम.के. राउज एवेन्यू कोर्ट के नागपाल ने भी सिसोदिया की जमानत याचिका को 10 मार्च के लिए सूचीबद्ध किया है।

आप नेता ने कोर्ट को संबोधित करते हुए कहा कि सीबीआई बार-बार एक ही सवाल पूछ रही है और यह मानसिक प्रताड़ना है।

उन्होंने अदालत से कहा, 'वे थर्ड डिग्री का उपयोग नहीं कर रहे हैं। लेकिन आठ से नौ घंटे बैठना और एक ही सवाल का बार-बार जवाब देना, वह भी मानसिक उत्पीड़न है।'

अदालत ने सीबीआई को नियमित अंतराल पर उसकी मेडिकल जांच कराने का भी निर्देश दिया था।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने आठ घंटे की पूछताछ के बाद 26 फरवरी को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने कोर्ट से मनीष सिसोदिया को तीन और दिनों के लिए रिमांड पर देने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट के बाद अब मनीष सिसोदिया ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में जमानत की अपील की थी। अब इस मामले पर 10 मार्च को 2 बजे सुनवाई होगी।

विशेष सीबीआई कोर्ट एमके नागपाल की कोर्ट में मनीष सिसोदिया की तरफ से वरिष्ठ वकील दयनकृष्णन और सिद्धार्थ अग्रवाल कोर्ट में पेश हुए।

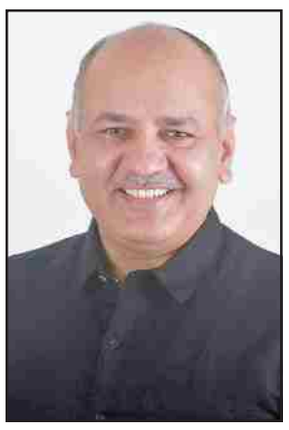

सुनवाई के दौरान, सीबीआई के वकील ने तीन दिन की रिमांड बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि सिसोदिया सहयोग नहीं कर रहे हैं और उनसे रोजाना लगभग रात 8 बजे तक पूछताछ की गई।

सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन ने रिमांड बढ़ाने का विरोध करते हुए कहा कि एजेंसी की अक्षमता को रिमांड का आधार नहीं बनाया जा सकता।

कृष्णन ने तर्क दिया, 'आज आपके पास यह कहने का एक सरल आधार है कि वह जवाब नहीं दे रहे हैं, सहयोग नहीं कर रहे हैं। पुलिस हिरासत में रखने से उन दस्तावेजों का पता चल जाएगा जिन्हें वे नहीं ढूंढ पाए थे ? यह एक आधार नहीं हो सकता है।'

सिसोदिया ने शुक्रवार को इसी मामले में जमानत याचिका दायर की थी।

विशेष न्यायाधीश नागपाल ने सोमवार को सिसोदिया को पांच दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था।

एजेंसी ने सिसोदिया को आठ घंटे की पूछताछ के बाद 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

राज्यपाल ने ऑर्गेनिक हनी मिशन शुरु करने का दिया प्रस्ताव

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मार्च । सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की अध्यक्षता में राजभवन में तीन विभागों क्रमश: कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सभी संबंधित सचिवों ने अपने-अपने विभागों की गतिविधियों एवं योजनाओं के बारे में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया।

कृषि सचिव जिग्मी दोरजी भूटिया द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुति में उन्होंने विभाग की योजनाओं के बारे में राज्यपाल को अवगत कराया। राज्यपाल ने सम्बंधित अधिकारियों से किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी हासिल करते हुए उनकी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने सिक्किम के जैविक उत्पादों की ब्रांडिंग पर जोर देने की बात कही जिससे किसानों की आय स्रोत में इजाफ़ा हो सके।

राज्यपाल ने सिक्किम में संतरे के उत्पादन में गिरावट पर अपनी चिंता व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों से इस बढ़ती चिंता के संबंध में शोध करने का आग्रह किया। उन्होंने किसानों के बीच आय सृजन के नए स्रोत प्रदान करने के लिए 'ऑर्गेनिक हनी मिशन' शुरू करने का भी आह्वान किया, इसके अलावा, राज्यपाल ने सिक्किम की जैविक खेती को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अधिक से अधिक प्रचारित करने पर बल दिया।

शिक्षा विभाग के आर तेलंग और विभागाध्यक्ष के नेतृत्व में शिक्षा विभाग ने अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में बालिका शिक्षा, एनसीसी में लड़कियों की भागीदारी, योग और बच्चों को शिक्षित करने की दिशा में अपनी संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने और संरक्षित करने पर भी बल दिया। राज्यपाल ने शिक्षा को व्यक्ति के समग्र विकास को आकार देने का सबसे शक्तिशाली

साधन बताया है। अंत में स्वास्थ्य सचिव द्वारा स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। राज्यपाल ने सिक्किम में स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने आयुष स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण केंद्रों पर अधिक ध्यान देने, राज्य के भीतर स्वास्थ्य क्षेत्र को पर्याप्त उपचार के लिए सुलभ बनाने और 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' को ध्यान में रखते हुए 'टीबी मुक्त सिक्किम' की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी पूर्व मेदिनीपुर निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

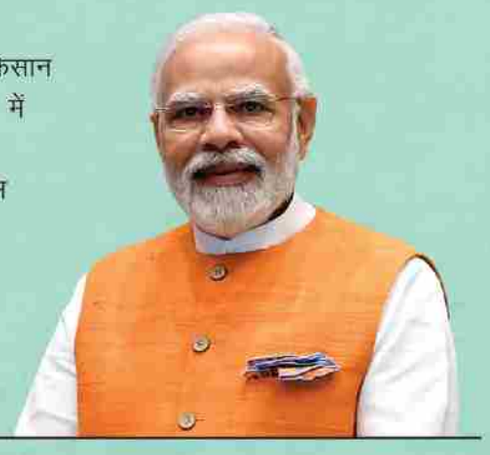

पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल के श्री मुस्ताक मल्लिक ने **09.01.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. **1** करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **74G 72547** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''मुझे एक करोड़पति बनने का ऐसा बेहतरीन अवसर प्रदान करने के लिए मैं नागालैंड स्टेट लॉटरीज तथा डियर लॉटरी के प्रति अपनी आंतरिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं। यह विशाल पुरस्कार राशि मुझे हमारी सभी आर्थिक जरूरतें पूरी करने और हमारा जीवन स्तर सुधारने में मदद करेगी।'' विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com